राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार, 11 अगस्त 2022 वर्ष–5,अंक–196 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

असम और मिजोरम ने सीमा विवाद सुलझाने के लिए संयुक्त बयान पर किए हस्ताक्षर, अगली बैठक अक्टूबर में

आइजोल (मिजोरम)। असम और मिजोरम की सरकारों ने दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद के समाधान की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए मंत्रिस्तरीय चर्चा के बाद मंगलवार को एक संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर किए। बयान के अनुसार, दोनों राज्य सीमाओं पर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए शांति को बढ़ावा देने और इसे बनाए रखने पर सहमत हुए हैं। साथ ही, दोनों राज्यों के सीमावर्ती जिलों के उपायुक्त दो महीने में कम से कम एक बार बैठक करेंगे। संयुक्त बयान में कहा गया है, दोनों राज्य पत्र और भावना में 5 अगस्त 2021 के संयुक्त वक्तव्य की पुष्टि करते हैं। दोनों राज्य शांति को बढ़ावा देने और बनाए रखने और सीमाओं के साथ किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सहमत हुए। दोनों राज्यों के सीमावर्ती जिलों के उपायुक्त कम से कम दो महीने में एक बार मिलेंगे।

गुवाहाटी में होगी अगली बैठक-दोनों राज्यों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की है कि खेती और खेती सहित आर्थिक गतिविधियां, जो दोनों राज्यों की सीमाओं के साथ लोगों द्वारा प्रचलित हैं, को बाधित नहीं किया जाएगा। दोनों राज्यों के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के बीच अगली बैठक इस साल अक्टूबर में गुवाहाटी में होगी जहां मुद्दों और दावों पर विस्तार से विचार किया जाएगा। असम के मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि आज की बैठक सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने और सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों को एक सकारात्मक संदेश देगी। उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि आज की बैठक सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने में एक लंबा सफर तय करेगी और सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों को सकारात्मक संदेश देगी।' असम मिजोरम के साथ 164.6 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। दोनों राज्यों की सीमा पर पिछले कुछ वर्षों में कई संघर्ष हुए हैं।

दिल्ली-पंजाब के बाद केजरीवाल के टारगेट पर राजस्थान, एमपी समेत 9 राज्य, ब्लूप्रिंट है तैयार

अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पार्टी अब देश के बड़े हिस्से में विस्तार की योजना बना रही है। पार्टी अगले 24 महीने में 9 राज्यों तक विस्तार की योजना बना रही है, जिसमें हिमाचल से लेकर केरल तक शामिल है।

नई दिल्ली। दिल्ली और पंजाब में सत्ता हासिल करने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) गुजरात और हिमाचल विधानसभा चुनाव में मजबूती से दावेदारी पेश कर रही है। हाल ही में मध्य प्रदेश के स्थानीय चुनाव में भी अच्छे प्रदर्शन से पार्टी का हौसला बढ़ा है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पार्टी अब देश के बड़े हिस्से में विस्तार की योजना बना रही है। पार्टी अगले 24 महीने में 9 राज्यों तक विस्तार की योजना बना रही है, जिसमें हिमाचल से लेकर केरल तक शामिल है।

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को संगठन की एक बैठक में इस बात को लेकर फैसला किया गया है। पार्टी ने हरियाणा, महाराष्ट्र, केरल, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में जोरशोर से चुनाव लड़ेगी, जहां अगले दो साल के भीतर विधानसभा चुनाव होना है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पार्टी ग्रामीण स्तर पर विस्तार के लिए ग्राम संपर्क अभियान शुरू करेगी। अगले छह महीने में गांव-गांव में संगठन तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद ब्लॉक और जिला स्तर पर संगठन मजबूत किया जाएगा। पार्टी, महिला, छात्र, युवा, दलित और आदिवासियों के लिए अलग मोर्चे बनाकर वोटर्स को साधने का प्रयास करेगी।

न रोका न मनाया, एग्जिट प्लान जानते हुए भी BJP ने क्यों नहीं की नीतीश कुमार से बात?

रिपोर्ट में कहा गया है कि पार्टी संगठन में युवाओं को तरजीह दी जाएगी। नंबवर-दिसंबर में होने जा रहे गुजरात, हिमाचल प्रदेश चुनाव के लिए पार्टी अलग रणनीति बनाएगी। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर अखबार से कहा, 'इन दो राज्यों में में कुछ ऐसे सीटों की पहचान की है, जहां हमारा संगठन अच्छा है और कैंडिडेट मजबूत। हम यहां अपने संगठन को मजबूती देने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।' राजस्थान, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में चुनाव अगले साल होगा।

● ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को संगठन की एक बैठक में इस बात को लेकर फैसला किया गया है। पार्टी ने हरियाणा, महाराष्ट्र, केरल, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में जोरशोर से चुनाव लड़ेगी, जहां अगले दो साल के भीतर विधानसभा चुनाव होना है।

'रेवड़ी' का लिया जाएगा सहारा

'आप' ने बताया कि विचारधारा और राजनीति से जुड़े सवालों को अड्रेस करने के लिए नई चीजें जोड़ी जा रही हैं। उन्होंने कहा, 'पार्टी अपनी विचारधारा को आकार दे रही है और विकास की विचारधार प्रमुख है। अभी तक हमारे वॉलेंटियर लोगों को पार्टी से जोड़ने के लिए दिल्ली मॉडल का बखान करते हैं। लेकिन अब यह बदलेगा। हम लोगों से विकास की बात करेंगे और बताएंगे कि कैसे मूलभूत सुविधाएं मुफ्त में दी जाएंगी।'

बाहरी नेताओं को तरजीह नहीं

पार्टी के सामने एक बड़ी चुनौती यह भी है कि दूसरे दलों से आने की चाह रखने वाले नेताओं को किस तरह समायोजित किया जाए। सूत्रों के मुताबिक, केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि दूसरे दलों से आने वाले नेताओं को पार्टी में बड़े पद और चुनाव में टिकट का वादा ना करें। पार्टी ने दूसरे दलों से आने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं के स्क्रीनिंग का भी फैसला किया है।

जम्मू-कश्मीर में बड़ा एनकाउंटर

सुरक्षा बलों ने राहुल भट और अमरीन भट के हत्यारे समेत तीन आतंकियों को घेरा

जम्मू। एएनआई के मुताबिक कश्मीर जोन पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) कश्मीर के हवाले से एक ट्वीट में कहा गया, आतंकवादी लतीफ राथर सहित आतंकी संगठन लश्कर के 3 आतंकवादी चल रही मुठभेड़ में घिर गए। जम्मू-कश्मीर के बडगाम में सुरक्षा बलों की मुठभेड़ चल रही है। इसमें आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों को हर जगह से घेर लिया है। राहुल भट और अमरीन भट समेत कई नागरिकों की हत्याओं में शामिल आतंकी लतीफ राथर भी सुरक्षबलों के घेरे में आ गया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक कश्मीर जोन पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) कश्मीर के हवाले से एक ट्वीट में कहा गया, ÷आतंकवादी लतीफ राथर सहित आतंकी संगठन लश्कर के 3 आतंकवादी चल रही मुठभेड़ में घिर गए। आतंकवादी लतीफ राहुल भट और अमरीन भट सहित कई नागरिक हत्याओं में शामिल है। कश्मीर जोन पुलिस ने एक ट्वीट में कहा, बडगाम के वाटरहेल इलाके में मुठभेड़ शुरू हो गई है। पुलिस और सुरक्षा बल मौके पर हैं। उल्लेखनीय है कि 12 मई 2022 को आतंकियों ने चदूरा तहसील कार्यालय के एक कर्मचारी राहुल भट की ऑफिस में घुसकर गोली से हत्या कर दी थी। वहीं कश्मीरी टीवी आर्टिस्ट अमरीन भट की 26 मई को आतंकवादियों ने हत्या की थी।

दिल्ली-एनसीआर में आज मिल सकती है गर्मी से राहत

नई दिल्ली। बीते दिनों बारिश के बाद राजधानी दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर प्रदेश में गर्मी का सितम फिर जारी है। यहां सुबह-सुबह निकल रही धूप और उसम से लोग परेशान हैं। इस बीच भारतीय मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, अगले 24 घंटे यानी गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं के साथ बारिश के आसार हैं। इससे लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा मौसम विभाग ने आने वाले कुछ दिनों में पूर्वी, मध्य और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है। आईएमडी के अनुसार, अगले दो दिनों के दौरान मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, छत्तीसगढ़, विदर्भ, गुजरात, कोंकण और गोवा में भीषण बारिश होगी। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया, यहां

मानसून ट्रफ सक्रिय है और अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में स्थित है, जो अगले तीन दिनों तक ऐसा ही रहेगा।

इन राज्यों में गरज के साथ बारिश के आसार-भारतीय मौसम विभाग की ओर से जारी किए गए बुलेटिन के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के अलग-अलग क्षेत्रों में 11 से 13 तारीख तक गरज के साथ बारिश की संभावना है। इसके अलावा, झारखंड, ओडिशा अरुणाचल प्रदेश,असम, मेघालय नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में दो से तीन दिनों में बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने कहा है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और कोंकण, गोवा के अलग-अलग हिस्सासें में गरज के साथ बारिश की संभावना बनी हुई है। इसके अलावा गुजरात, तेलंगाना और तमिलनाडु के तटीय घाट क्षेत्रों में भी बारिश के आसार हैं।

उत्तराखंड में ऑरेंज अलर्ट -मौसम विभाग ने उत्तराखंड के देहरादून, चमोली, बागेश्वर, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग में आज बहुत भारी बारिश की संभावना के चलते ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में कुछ इलाकों में तेज गर्जना के साथ बिजली गिरने की भी संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि बहुत भारी बारिश की संभावना को देखते हुए नदियों, नालों के किनारे बसे लोगों के साथ ही भूस्खलन संभावित इलाकों में बसे लोगों को सावधान रहने की जरूरत है।

सोनिया गांधी के बाद प्रियंका वाड्रा कोरोना पॉजिटिव

3 महीने में दूसरी बार हुई संक्रिमत...खुद को किया होम आइसोलेट

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा कोरोना संक्रमित हो गई हैं। प्रियंका वाड्रा ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। प्रियंका वाड्रा ने ट्वीट किया कि फिर से कोरोना संक्रमित हो गई हूं, घर पर ही आइसोलेट हूं और सभी जरूरी दिशा-निर्देश फॉलो कर रही हूं। बता दें कि इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी कोरोना पॉजिटिव पाई गई थीं।

प्रियंका और सोनिया गांधी इसी साल जून महीने में कोरोना संक्रमित हुई थीं। यह दूसरी बार है जब दोनों फिर से इस वायरस की चपेट में आई हैं। कोरोना के कारण सोनिया गांधी को अस्पताल में भर्ती भी करवाना पड़ा था। पिछले महीने सोनिया गांधी को नेशनल हेराल्ड के मामले में पेश होने को कहा गया था तब उनकी पेशी से कुछ दिन पहले ही उनके कोरोना संक्रमित होने की खबर आई थी।

चुनाव घोषणापत्र में मुफ्त योजनाओं पर आप भी सुप्रीम कोर्ट में

नई दिल्ली। चुनाव में मुफ्त योजनाओं की घोषणाओं के बचाव में आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। आप ने मांग की है कि इस मामले में उसे भी पक्षकार बनाया जाए। आप ने ऐसी घोषणाओं को राजनीतिक पार्टियों का लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकार बताया है। आप ने इस मामले में याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय को भाजपा का सदस्य बताते हुए उनकी मंशा पर सवाल उठाए हैं। इससे पहले अश्विनी उपाध्याय की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 6 अगस्त को केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि वह रिजर्व बैंक, नीति आयोग समेत अन्य संस्थानों और

आप ने इस मामले में याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय को भाजपा का सदस्य बताते हुए उनकी मंशा पर सवाल उठाए हैं।

विपक्षी दलों के साथ विचार कर रिपोर्ट तैयार करे और उसे कोर्ट के समक्ष रखे। अश्विनी उपाध्याय ने चुनाव के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त में उपहार देने वाली घोषणाएं करने वाले राजनीतिक दलों की मान्यता खत्म करने की मांग की है। इस मामले में 11 अगस्त सुनवाई होगी। याचिका में कहा गया है कि आजकल यह राजनीतिक फैशन बन गया है। दल अपने घोषणापत्र में मुफ्त बिजली की घोषणा करते हैं। ऐसी घोषणा तब भी की जाती है जब सरकार लोगों को 16 घंटे की बिजली भी देने में सक्षम नहीं होती। ऐसी घोषणाओं का लोगों के रोजगार, विकास या कृषि सुधार से कोई लेना-देना नहीं होता है। यह घोषणाएं मतदाताओं को लुभाने के लिए की जाती हैं।

रामकृष्ण परमहंस के उपदेश और जंक फूड के सहारे जेल में समय काट रहे पार्थ चटर्जी

कोलकाता। कोलकाता की ऐतिहासिक प्रेसीडेंसी जेल में एक एकांत कक्ष के अंदर बंद पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी 19 वीं शताब्दी के संत श्री रामकृष्ण परमहंस के उपदेशों को पढ़कर और कुछ तला हुआ खाने की चाहत के साथ खुद को अन्य कैदियों से अलग रख रहे रहे हैं। ब्रिटिश-युग की संस्था के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। चटर्जी ने कागज और कलम की मांग करते हुए कहा कि वह सलाखों के पीछे के जीवन के बारे में लिखना चाहते हैं। नौकरी के बदले रिश्वत घोटाले में एक मुख्य आरोपी पार्थ चटर्जी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 23 जुलाई को गिरफ्तार किया। वह 5 अगस्त से न्यायिक हिरासत में जेल में बंद है। चटर्जी जेल में कैदी नंबर 943799 से पहचाने जाते हैं। उन्हें एक ब्लॉक में सेल नंबर 2 में बंद किया गया है। इसमें कुल 22 सेल हैं। अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि पार्थ चटर्जी के अनुरोध के बाद उन्हें श्री श्री रामकृष्ण कथामृत की एक प्रति, उपदेश वाली पुस्तक और लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता महाश्वेता देवी के कार्यों का संकलन दिया गया है। चटर्जी को राजनीति, अर्थशास्त्र और कानून की भी कुछ किताबें दी गईं। पूर्व मंत्री ने अब तक उन समाचार पत्रों में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है जो अधिकारी प्रतिदिन प्रदान करते हैं।

बिहार संकट में इस नेता को मिस कर रही भाजपा, वरना नीतीश कुमार से बन सकती थी बात

5 अगस्त को पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी को दो सप्ताह की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। मुखर्जी प्रेसीडेंसी के 200 मीटर के दायरे में स्थित महिलाओं के बने अलीपुर सुधार गृह में बंद हैं।

अधिकारियों ने कहा कि पार्थ चटर्जी ने शुरू में नखरे किए और लंच और डिनर दोनों में चावल लेना चाहते थे। पहली रात को उन्होंने अनिच्छा से रात का खाना खाया, जिसमें दाल, एक सब्जी और रोटियां शामिल थीं। लेकिन टीएमसी के पूर्व महासचिव अगले दिन शांत हो गए और अन्य कैदियों के लिए जो कुछ भी पकाया जाता है वह खा लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है।

लंबे समय से चावल और गहरे तले हुए भोजन के लिए जाने जाने वाले पार्थ चटर्जी को कर्मचारियों से पता चला कि जेल की कैंटीन में आलू और बैगन का तला हुआ खाना तैयार किया गया है। उन्होंने दोनों को मुरमुरे के साथ खाने की जिद की। हालांकि चटर्जी दवाओं पर बहुत अधिक निर्भर हैं। जेल के डॉक्टरों ने उन्हें भोजन करने की अनुमति दी।

पांच दिनों में दो बार पूर्व मंत्री से मिलने गई वकील सुकन्या भट्टाचार्य ने कहा कि एडिमा (टखनों और पैरों में सूजन) सुधार गृह में जाने के बाद से चटर्जी को परेशान कर रही है।

अधिकारियों ने कहा कि एडिमा मोटापे और रक्तचाप की दवाओं के प्रभाव सहित अन्य कारणों से होता है। हालांकि, पार्थ चटर्जी जेल अस्पताल जाने के इच्छुक नहीं थे। उन्हें मंगलवार सुबह कोठरी के बाहर गलियारे में टहलने की अनुमति दी गई, क्योंकि शारीरिक गतिविधि से सूजन कुछ हद तक कम हो जाती है। पार्थ चटर्जी को कक्ष के फर्श पर सोने के लिए कहा गया। वह मोटापे और पीठ दर्द के कारण सो नहीं सके। अधिकारियों से उन्होंने शिकायत की। बाद में उन्हें एक खाट प्रदान की गई। एक स्टाफ सदस्य ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, वह अगले दिन लगभग आठ घंटे खाट पर सोए।

सुविचार

दीपक के प्रकाश की तरह अच्छे काम की ख्याति भी चारों और फैलती है। - विलियम शेक्सपियर

संपादकीय

संकट में पशुपालक

पंजाब, हिमाचल प्रदेश व राजस्थान में दुधारू पशुओं के लंपी स्किन का शिकार होने के बाद बीमारी के हरियाणा के यमुनानगर, सिरसा आदि कई जिलों में भी दस्तक देने से चिंताएं बढ़ गई हैं। इस संक्रामक रोग ने पशुपालकों को गंभीर संकट में डाल दिया है। पशुओं की बीमारी व लगातार होती मौतों से दूध का उपयोग करने वाले लोग भी चिंतित हैं कि कहीं इस बीमारी का प्रभाव दूध पीने वाले लोगों पर न हो जाये। बताया जा रहा है कि इस बीमारी का सर्वाधिक प्रभाव जर्सी नस्ल की गाय पर पड़ रहा है। संक्रमण के तेज होने से हजारों पशु इसकी चपेट में हैं। एक तो पशुपालकों को आर्थिक नुकसान हो ही रहा है, वहीं दूध का कारोबार करने वाले लोगों के लिये भी मुश्किल खड़ी हो गई है। दरअसल, दूध को लेकर उपभोक्ताओं के मन में शंका पैदा हो रही है। कई लोगों ने दूध का उपयोग बंद करके पाउडर वाले दूध का प्रयोग करना आरंभ कर दिया है। वहीं संकट यह भी है कि इस बीमारी की चपेट में आने वाली गायों का दूध भी कम होने लगा है। दरअसल, सरकारें देर से जागी हैं और प्रभावी टीके की व्यवस्था समय रहते नहीं हो पायी है। कहने को पंजाब सरकार ने पशु मेलों आदि सार्वजनिक आयोजनों पर रोक लगाई है, लेकिन इतने मात्र से बीमारी का प्रसार रुकने की कम ही संभावना है। यह संकट गौशाला प्रबंधकों के सामने भी है जहां बड़ी संख्या में गायें रखी जाती हैं। ऐसी स्थिति में पशुओं के लिये पर्याप्त चिकित्सा की व्यवस्था कर पाना एक चुनौती होगा। दरअसल, जब देश में इंसानों के अस्पताल ही बदहाली की स्थिति में हैं तो पशुओं के लिये पर्याप्त इलाज की संभावना तो क्षीण ही है। एक तो पशु अस्पताल पहले ही गिने-चुने हैं, वहीं चिकित्सकों व स्टाफ की कमी बराबर बनी रहती है। निस्संदेह, इस बीमारी की कारगर वैक्सीन उपलब्ध कराने की दिशा में गंभीर पहल हो क्योंकि अभी तो वैकल्पिक वैक्सीन से ही काम चलाया जा रहा है। बहरहाल,एक बात तो तय है कि इस गंभीर बीमारी का निदान फौरी उपचार से नहीं हो सकता। समय रहते दवाओं की व्यवस्था हो तथा स्वस्थ पशुओं को यथाशीघ्र वैक्सीन उपलब्ध करायी जाए। इस महामारी से युद्ध स्तर पर जूझने की जरूरत है। साथ ही चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता में तेजी लाने के साथ ही पशुपालकों को जागरूक करने की भी जरूरत है ताकि इस संक्रामक रोग की चपेट में आने से अन्य स्वस्थ पशुओं को बचाया जा सके। साथ ही पशु चिकित्सालयों में चिकित्सकों, कर्मचारियों व दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। हालांकि, राज्य सरकार के अधिकारी कह रहे हैं कि यह रोग पशुओं तक सीमित है और इंसानों में नहीं फैलता, अत- इसको लेकर आतंकित होने की जरूरत नहीं है। सावधानी के तौर पर दूध को उबालकर ही पीने की सलाह दी जा रही है। वहीं हरियाणा सरकार के अधिकारी बीमारी से बचाव के लिये दवा कंपनियों द्वारा बाजार में इंजेक्शन उपलब्ध होने की बात कर रहे हैं। साथ ही पशुपालकों को सलाह दी जा रही है कि इस बीमारी से ग्रस्त पशुओं को वैक्सीन न दी जाये, उससे रोग बढ़ने की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा केंद्र सरकार की ओर से रोग से प्रभावित राज्यों के पशुओं के दूसरे राज्यों में जाने पर चौकसी बरतने के निर्देश दिये गये हैं। अधिकारियों से पशुओं की अन्य राज्यों में आवाजाही पर सख्ती बरतने को कहा गया है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि जब हाल के दिनों में जंगली जानवरों से वायरस इंसान के शरीर में दस्तक देने का खतरा लगातार बढ़ रहा है, इससे बचाव के लिये हम कितने तैयार हैं? कोरोना वायरस से उपजी तबाही को पूरी दुनिया भुगत चुकी है।

आज के कार्टून

अध्यात्म मार्ग

श्रीराम शर्मा आचार्य

सामान्य लोगों के बीच प्राय: यह भ्रम फैला हुआ है कि आध्यात्मवाद का लौकिक जीवन से कोई संबंध नहीं है। वह तो योगी तपस्वियों का क्षेत्र है, जो जीवन में दैवी वरदान प्राप्त करना चाहते है। जो सांसारिक जीवन-यापन करना चाहते हैं। घर-बार बसाकर रहना चाहते हैं, उनसे अध्यात्म का संबंध नहीं। इसी भ्रम के कारण बहुत से गृहस्थ भी, जो दैवी वरदान की लालसा के फेर में पड़ जाते हैं, अध्यात्म मार्ग पर चलने का प्रयत्न करते है। किन्तु अध्यात्म का सही अर्थ न जानने के कारण थोड़ा-सा पूजा-पाठ कर लेने को ही अध्यात्म मान लेते हैं। यह बात सही है कि अध्यात्म मार्ग पर चलने ये उसकी साधना करने से दैवी वरदान भी मिलते है और ऋद्धि-सिद्धि की भी प्राप्ति होती है। किन्तु वह उच्चस्तरीय सूक्ष्म-साधना का फल है। कुछ दिनों पूजा-पाठ करने अथवा जीवन भर यों ही कार्यक्रम के अंतर्गत पूजा करते रहने पर भी ऋषियों वाला ऐर्य प्राप्त नहीं हो सकता। उस स्तर की साधना कुछ भिन्न प्रकार की होती है। वह सर्वसामान्य लोगों के लिए संभव नहीं। उन्हें इस तपसाध्य अध्यात्म में न पड़कर अपने आवश्यक कर्त्तव्यों में ही आध्यात्मिक निष्ठा रखकर जीवन को आगे बढ़ाते रहना चाहिए। उनके साधारण पूजा-पाठ का जो कि जीवन का एक अनिवार्य अंग होना चाहिए, अपनी तरह से लाभ मिलता रहेगा। थोड़ी सी साधारण पूजा, उपासना करके जो जीवन में अलौकिक ऋद्धि-सिद्धि पाने की लालसा रखते हैं, वे किसी जुआरी की तरह नगण्य सा धन लगाकर बहुत अधिक लाभ उठाना चाहते हैं। बिना श्रम के मालामाल होना चाहते हैं। लोभी उपासकों की यह अनुचित आशा कभी भी पूरी नहीं हो सकती और हो वह भी सकता है कि इस लोभ के कारण उनकी अपनी उस सामान्य उपासना का भी कोई फल न मिले। देवताओं का वरदान वस्तुत- इतना सस्ता नहीं होता, जितना कि लोगों ने समझ रखा है। वे मंदिर में जाकर हाथ जोड़ जाने या अक्षत-पुण्य जैसी तुच्छ वस्तुएं चढ़ा देने से प्रसन्न हो जायेंगे और अपने वरदान लुटाने लगेंगे-ऐसा सोचना अज्ञान के सिवाय और कुछ नहीं है। सामान्य पूजा-पाठ का अपना जो पुरस्कार है, मिलेगा वही, उससे अधिक कुछ नहीं।

बहन भाई के पवित्र प्रेम का महान पर्व है रक्षाबंधन!

(लेखक- डा श्रीगोपाल नारसन)

महान पर्व रक्षाबंधन बहन भाई के पवित्र प्रेम का प्रतीक है।भाई बहन का एक दूसरे के प्रति हित चिंतक होना और जब भी आवश्यकता हो ,मदद व रक्षा के लिए तत्पर रहना ही इस पवित्र रिश्ते में मिठास पैदा करता है। रक्षा बंधन का त्योहार सावन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है. पंचांग के अनुसार, इस साल पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 11 अगस्त को सुबह 10 बजकर 38 मिनट से होगी।जबकि पूर्णिमा तिथि का समापन 12 अगस्त को सुबह 7 बजकर 05 मिनट पर होगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस बार रक्षाबंधन के दिन एक बेहद शुभ संयोग का निर्माण हो रहा है। इस दुर्लभ शुभ संयोग के कारण रक्षाबंधन का त्योहार और भी अधिक खास माना जा सकता है। इस बार रक्षा बंधन का त्योहार अमृत योग में मनाया जाएगा।ज्योतिष शास्त्र के जानकारों के का कहना है कि रक्षा बंधन पर ऐसा दुर्लभ संयोग 24 साल बाद बन रहा है। अमृत योग में किए गए शुभ कार्य सफलतापूर्वक संपन्न होते हैं।ऐसा माना जाता है। भाई-बहन दोनो को संकल्प करना चाहिए कि परमात्मा इतनी शक्ति दे कि परमात्म अनुभूति के साथ पवित्रता का संकल्प करते हुए हम देवता समान बन जाए ।यही रक्षाबंधन की मूल अवधारणा है। चूंकि हम सभी परमात्मा की संतान हैं और परमात्मा हमारा पिता है। इसी कारण उसकी संतान होने के नाते हम आपस में भाई-भाई या फिर भाई बहन एक दूसरे को मानें और समझें तथा आवश्यकता पड़ने पर एक दूसरे की रक्षा करें। इसी संकल्प को बंधन रुप में मानते हुए यह पर्व मनाया जाता है। भाई-बहन का रिश्ता चूंकि सबसे पवित्र और पावन है, चाहे बहन हो या भाई दोनों ही एक दूसरे के प्रति शुभ भावना रखते हैं और एक दूसरे की प्रगति चाहते हैं, वह भी बिना किसी स्वार्थ के। हालांकि रक्षाबंधन पर जब बहन ,भाई को राखी बांधती है तो भाई बदले में उसे उपहार देता है। ऐसा इसलिए है ताकि भाई बहन के बीच प्रेम और सदभाव उत्तरोत्तर बढ़ता रहे और कम से कम एक दिन ऐसा हो जब भाई बहन एक दूसरे से मिलकर खुशी मना सकें। आज भी गांव देहात में पंडित द्वारा अपने यजमानों को रक्षासूत्र यानि राखी बांधने का प्रचलन है। इसके पीछे भी यही अवधरणा है कि पंडित को विद्वान और पवित्र माना जाता है और वह रक्षासूत्र बांधने के पीछे अपने यजमान को बुद्धिमान और पवित्र रहने का संदेश देता है। रक्षाबंधन के पर्व पर जब बहन भाई की कलाई पर राखी बांधती है तो उन्हें विकारों को त्यागने का संकल्प लेना चाहिए। जिसकी शुरूआत प्रति रक्षाबंधन एक विकार को त्यागने के संकल्प के साथ हो सकती है। क्योंकि मनुष्य में व्याप्त विकार एक नहीं अनेक होते हैं। जिनमें काम क्रोध, मोह, लोभ और अहंकार जहां प्रमुख हैं ।वहीं ईर्ष्या, द्वेष, घृणा जैसे विकार भी मनुष्य की प्रगति में बाधक हैं। सच पूछिए तो रक्षाबंधन है ही पवित्रता का पावन पर्व। जिसमें भाई बहन के पवित्र रिश्ते की रक्षा के लिए रक्षासूत्र बांधने की वर्षों से परम्परा है। इस पर्व के माध्यम से जहां हम अपनी बहनों की सुख समृद्धि और प्रगति की कामना करते हैं वहीं बहन भी अपने भाई की दीर्घायु की कामना के साथ-साथ उसकी उन्नति की प्रार्थना करती हैं। रक्षा बन्धन शब्द से ही इस पर्व के अर्थ का पता चल जाता है। भावनात्मक रिश्तो को बनाये रखने और एक दूसरे की रक्षा को कृतसंकल्पित होने के अवसर का नाम है रक्षा बन्धन। भले ही आज यह पर्व भाई बहन की रक्षा के संकल्प के निमित मनाया जाता हो और बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उनसे संकट के समय रक्षा करने का वरदान लेती हो परन्तु यह वास्तव में हर रिश्ते को पवित्रता की डोर में बांधकर रक्षा के संकल्प का पर्व है। भाई बहन ही नही, पति पत्नी भी इस रक्षा सूत्र से बंधे है ऐसा शास्त्रों में उल्लेख मिलता है। स्वर्गलोक के राजा इन्द्र की पत्नी शचि ने वैदिक मन्त्रों से अभिमन्त्रित रक्षा सूत्र अपने पति की भुजा पर बांधकर उनकी शत्रुओं से रक्षा की थी। तभी से प्रतिवर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा को रक्षाबन्धन का पर्व मनाया जाने लगा है। हालाकि अब यह पर्व भाई बहन का त्यौहार बन गया है और बहन ही अपने भाई की दीर्घायु की कामना व रक्षा की अपेक्षा के साथ भाई की कलाई पर राखी बांधती है और भाई अपनी बहन को शगुन देकर उसकी खुशहाली की कामना करता है। भविष्य पुराण के अनुसार रक्षाबन्धन की वास्तविक शुरूआत इन्द्र की पत्नी शचि द्वारा अपने पति को राखी बांधने से हुई थी। रानी कर्णावती ने मुगल शासक हुमांयु को सकंट के समय राखी भेजकर उनसे अपनी रक्षा की याचना की थी। हुमायूं ने भी प्रेम और स्नेह की प्रतीक राखी के बधंन को निभाते हुए करणावती की रक्षा अपने प्राणों की बाजी लगाकर की थी। इसी तरह रूपनगर की राजकुमारी की राखी की लाज रखने के लिए महाराजा राजसिंह ने मुगल शासक औरंगजेब से लौहा लिया था। इसी दिन अनिष्ट शमन के लिए भगवान श्री कृष्ण का रक्षा बन्धन किया गया था।यानि रक्षा बन्धन का पर्व भावनात्मक रिश्तों को मजबूत करने,भाई बहन में प्यार और विश्वास बढाने तथा एक दूसरे की रक्षा को वचनबद्ध रहने का पर्व है। वही इस पर्व को बुराई छोडने के सकंल्प दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। प्रजापिता ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय इस पर्व को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाता है। ब्रहमाकुमारी बहनें समाज के शीर्ष पदों पर विराजित महानुभावों से लेकर आमजन तक राखी पर्व का संदेश उन्हें राखी बांधकर देती हैं। वें राखी बांधने के बदले कोई उपहार या नगदी कभी ग्रहण नहीं करती हैं अपितु चाहती हैं कि जिस भाई को उन्होंने राखी बांधी है ,वह कम से कम अपने भीतर व्याप्त एक अवगुण का त्याग हमेंशा के लिए करें। तभी यह पर्व सार्थक माना जाता है। इस संस्था में रक्षाबंधन पर्व मनाने की शुरूआत 15 दिन पहले से ही हो जाती है और बाद तक चलती रहती है। ताकि समाज अवगुणों से मुक्त हो और एक स्वर्णिम सद्गुणी समाज की स्थापना हो सके। रक्षाबंधन यानी भाई बहन का त्यौहार। कहा जाता है कि भाई और बहन के रिश्ते से पवित्र दुनिया में कोई भी रिश्ता नहीं होता। इस दिन बहनें अपने भाईयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई जीवनभर उसकी रक्षा का प्रण लेता है। हालांकि सभी दिन परमपिता परमात्मा के बनाये हुए हैं जब परमात्मा की कृपा होती है तो सभी कार्य स्वत: ही सिद्ध होने लगते हैं। लेकिन फिर भी सनातन धर्म के अनुसार कुछ दिनों का महत्व अलग होता है, जिसे हम त्यौहार कहते हैं। जबकि परमात्मा की दृष्टि में सभी दिन एक जैसे ही होते हैं। उनमें विशेष कुछ है तो वह है शुभ और अशुभ लग्न। जिसे हम साधारण भाषा में शुभ व अशुभ समय भी कहते हैं। जिसके बारे में जानकारी प्राप्त कर सभी बहनें अपने भाईयों की कलाई पर शुभ समय में ही रक्षासूत्र को बांधने का प्रयास करे। यदि शुभ लग्न अनुसार रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाए तो अधिक फलदायी हो जाता है। हालांकि यह ऐसा पर्व है जिसे कभी भी और किसी भी समय व किसी भी दिन मनाया जा सकता है।इसी पर्व पर यथार्थ दर्शाती कविता की एक बानगी देखिए,

रक्षा बन्धन के लिए
बहन का होना जरूरी है
जिसके लिए कन्या भ्रूण
हत्या रोकना जरूरी है
वर्ना एक दिन
भाई ही भाई नज़र आएगें
बहनों को आप
किताबों में ही पढ पाएगें।

सत्तर साल बाद भारत में दौड़ेंगे चीते

- मुकुंद

आजादी का अमृत महोत्सव भारत के जंगल में मंगल लाने वाला है। सत्तर साल बाद यहां की आबोहवा में चीता आबाद होने जा रहे हैं। भारत और नामीबिया के बीच 20 जुलाई, 2022 को हुए समझौते ने वन्यजीव विशेषज्ञों की उत्सुकता बढ़ा दी है। अगर कोई अड़चन नहीं आई तो दोनों देशों की सरकारों के बीच पहले अंतर महाद्वीपीय स्थानान्तरण के तहत 15 अगस्त को नामीबिया से आठ चीते (चार मादा, चार नर) भारत आ रहे हैं। इस योजना पर लगभग 224 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इन चीतों को मध्य प्रदेश के चंबल संभाग के श्योपुर के कूनो पालपुर नेशनल पार्क में रखा जाएगा। चीता प्रोजेक्ट के लिए इंडियन ऑयल ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण को 50.22 करोड़ रुपये देने का प्रावधान किया है। 1952 में चीता को देश में विलुप्त घोषित किया गया था। इन चीतों को नामीबिया से लाने की राह लखनऊ में हुए एक शोध ने आसान की है। बीरबल साहनी पुरा विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. नीरज राय के इस शोध में भारतीय चीतों और अफ्रीकन चीतों की जेनेटिक संरचना में काफी समानताएं मिली थीं। नामीबिया को चीतों की राजधानी कहा जाता है। वैज्ञानिक डॉ. नीरज राय का यह शोध साल 2020 में अमेरिकन जर्नल नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट में प्रकाशित हुआ था। डॉ. नीरज राय का दावा है कि देश में साल 1947 तक चीतों की पुष्टि हुई। साल 1948 के बाद चीते पूरी तरह विलुप्त हो गए। साल 1947 में आखिर तक तीन चीते थे। शिकार कर उन्हें भी मार दिया गया। चीतों और बाघों का सबसे ज्यादा शिकार ब्रिटिश काल में हुआ। इस दौरान करीब 80 हजार बाघ और चीते मारे गए। हालांकि भारत में चीते लाने की कोशिशें पहले भी हुई है। राजस्थान के जंगलों को चीते के लिए मुफीद मानकर साल 1998 में तीन चीते लाए गए, लेकिन वे जीवित नहीं बचे। 2016 में भी यहां एक चीता लाया गया, वह भी नहीं बचा। इस शोध के बाद उम्मीद है कि नामीबिया से लाए जा रहे चीते यहां के माहौल में ढल सकेंगे। केंद्रीय वनमंत्री भूपेंद्र यादव कहते हैं कूनो पालपुर नेशनल पार्क 748 वर्ग किलोमीटर में फैला है। यह छह हजार 800 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले खुले वन क्षेत्र का हिस्सा है। यहां चीतों को बसाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। दो से तीन महीने चीते बाड़े में रहेंगे। इसका मकसद यह है कि यहां के वातावरण में ढल जाएं। चार से पांच वर्ग किलोमीटर के बाड़े की चारों तरफ से फेंसिंग की गई है। इस राष्ट्रीय वन्यजीव अभ्यारण्य में भारतीय भेड़िया, बंदर, भारतीय तेंदुआ और नीलगाय बहुतायत में हैं। वन्यजीव विशेषज्ञ अजय दुबे का कहना है कि चीता प्रोजेक्ट का असर सहारिया जनजाति पर पड़ेगा। सॉफ्ट रिलीज के बाद चीतों को खुला छोड़ा जाएगा। सहारिया जनजाति के लोगों का गुजर-बसर जंगल से होने वाले उत्पादों से होता है। ऐसे में सरकार को उनके रोजगार के इंतजाम पर भी ज्यादा फोकस करना चाहिए। दुबे का कहना है कि कुछ लोग मान रहे हैं कि भारतीय तेंदुए अपने बड़े आकार की वजह से इन चीतों के लिए खतरा बन सकते हैं। मगर ऐसा सोचना गलत है, क्योंकि चीते और तेंदुए पहले भी साथ-साथ रहते थे। इस वजह से चिंता की कोई बात नहीं है। अफ्रीका में भी शेर, तेंदुआ, चीता और हाइना साथ रहते हैं। तेंदुए और शेर अपने शिकार को घात लगाकर मारते हैं, क्योंकि वह ज्यादा दौड़ नहीं सकते। चीते अपना शिकार दौड़ लगाकर करते हैं। भारतीय वन्यजीव संस्थान के डीन वाईवी झाला इस पहल को वैश्विक महत्व के संरक्षण का बड़ा कदम मान रहे हैं। देश के कुछ वन्यप्राणी विशेषज्ञों का कहना है कि अब देश के लिए अगली चुनौती यह तय करना है कि यह चीते भारत की नई जलवायु परिस्थितियों में जीवित रह सकें और ढल सकें। यह कैसे संभव होगा और भारत इस बड़ी चुनौती के लिए कितना तैयार है। यह बड़ा सवाल है। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर के अनुसार, दुनिया में इस वक्त लगभग 7,100 चीते हैं। तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी संख्या में गिरावट आई है। भारत सरकार सत्तर के दशक से चीतों को लाने के लिए प्रयासरत रही है। 1970 में एशियन चीतों को ईरान से लाने का प्रयास किया गया। इसके लिए ईरान की सरकार से बातचीत भी की गई। लेकिन यह पहल सफल नहीं हो सकी। लंबे समय तक इस मसले पर सरकार की मुट्ठी बंद रही। 2010 में भारत में चीता को बाहर से लाने की पहल तत्कालीन पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने की मगर सरकार की इस योजना पर सुप्रीम कोर्ट ने ब्रेक लगा दिया। लंबी कशमकश के बाद 28 जनवरी, 2020 को सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को भारत में चीतों को लाने की अनुमति दी। अब इस घटनाक्रम में बड़ा और निर्णायक मोड़ आया है। चीता को दुनिया का सबसे तेज दौड़ने वाला जानवर माना जाता है और इसकी रफ्तार 80 से 128 किलोमीटर प्रति घंटा मानी जाती है। उम्मीद करें कि चीतों के बसावट की यह दौड़ कामयाब हो।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

सू-दोकू नवताल -2186

		6				5		2
	9		7		2	1		3
1				9				
9	3			6			7	
		5				6		
	4			3			8	9
				7				6
8		7	9		6		5	
4		2				9		

सू-दोकू -2185 का हल

4	9	2	3	1	8	7	5	6
5	8	7	6	4	2	1	3	9
6	1	3	9	5	7	2	8	4
2	6	1	4	8	9	3	7	5
8	4	5	7	6	3	9	1	2
3	7	9	1	2	5	6	4	8
9	2	8	5	3	1	4	6	7
7	3	4	8	9	6	5	2	1
1	5	6	2	7	4	8	9	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2186

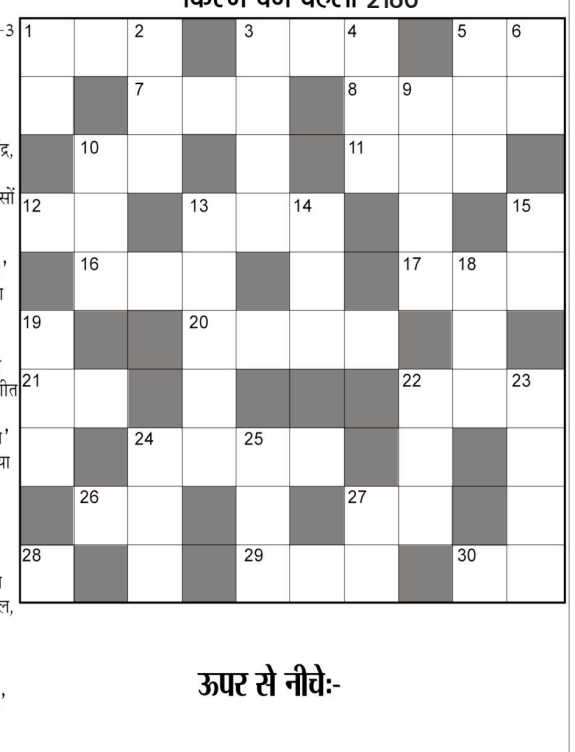

बायें से दायें:-

1. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-3
3. शशि कपूर की 'थोड़ा रुक जाएगी तो तेरा क्या जाएगा' गीत वाली फिल्म-3
5. फिल्म 'मॉनसून वेडिंग' के गीत 'आजा नच लै' के गायक का उपनाम-2
7. अनिल कपूर, विजया शांति की 'रामजी ने धनुष तोड़ा' गीत वाली फिल्म-3
8. फिरोज खान, संजय दत्त, मनीषा की फिल्म-4
10. सलमान अभिनीत 'सुनो गौर से दुनियां वालों' गीत वाली फिल्म-2
11. 'ये मौसम भी गया' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा जुल्का की फिल्म-3
12. धर्मेन्द्र, हेमा की 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली फिल्म-2
13. अनिल कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-3
16. अमिताभ, हेमा की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-3
17. 'गोरी जो मटके बालों को झटके' गीत वाली फिल्म-3
20. मिथुन, जूही चावला की 'स्वर्ग में मिलेगी अप्सरा' गीत वाली फिल्म-4
21. 'मस्त बहारों का मैं आशिक' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-2
22. शाहरुख, माधुरी की 'सांसों की माला पे सिमरूं' गीत वाली फिल्म-3
24. 'मेरी मखना, मेरी सोणिये' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-4
26. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना कपूर की 'जब नहीं आए थे तुम' गीत वाली फिल्म-2
27. 'अपुन बोला तू मेरी लैला' गीत वाली शाहरुख, ऐश्वया की फिल्म-2
28. जयाप्रदा की 'उंगली में अंगूठी, अंगूठी में नगीना' गीतवाली फिल्म-1
29. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहैल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-3
30. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-2
2. 'दुनिया में क्या क्या होता है प्यारे' गीत वाली किरण कुमार, योगिता बाली की फिल्म-3
3. 'जरा तस्वीर से तू' गीत वाली फिल्म-4
4. 'दिलकश ये एहसास है' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-3
5. आफताब शिवदासानी, अक्षय खन्ना, रिमी सेन की 'चैन आप को मिला' गीत वाली फिल्म-3
6. 'सुन सुन बरसात की धुन' गीत वाली नसीरुद्दीन शाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट अभिनीत फिल्म-2
9. राजेंद्र कुमार, धर्मेन्द्र, माला सिन्हा, कुमकुम की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-4
10. सुष्मिता सेन की पहली फिल्मे-3
13. राजेश खन्ना, आशा पारेख की 'जिस गली मेरा तेरा घर न हो' गीत वाली फिल्म-2,3
14. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में सनी देओल के साथ नायिका-3
15. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की 'दो नैनों के पंख लगा कर' गीत वाली फिल्म-2
18. 'दिल ना किसी का जाए' गीत वाली सनी देओल, संजय, रवीना टंडन, दिव्या की बहुसितारा फिल्म-3
19. 'हम थे जिनके सहारे' गीत वाली फिल्म-3
22. गुलजार निर्देशित संजीव कुमार, जया भादुडी की जोड़ी वाली एक फिल्म-3
23. अमिताभ बच्चन, जीनत अमान की 'अपनी तो जैसे तैसे' गीत वाली फिल्म-4
24. 'तुम बिन जीवन कैसा जीवन' गीत वाली राजेश खन्ना, जया भादुड़ी की फिल्म-3
25. अमिताभ बच्चन, हेमा मालिनी, सलमान खान, जॉन अब्राहम, रानी मुखर्जी की 'बेबसी दर्द का आलम' गीत वाली फिल्म-3
27. 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2185

चे	ह	रा		प्रे	म	पु	जा	री	
त		नी	ल	म		का	ल		दु
ना	म		क्ष्य		जो	र		मे	ला
	म	स्त		य	श		जू		रा
दा	ता		ल	की		श	ही	द	
स्ता		जी	व	न	धा	रा		स	जा
न	क्शा		र्स			बी	ना		ने
		ध		आ	शा		दा		म
मे	ह	र	बा	न		खा	न	दा	न
घा		ती		न्द		की		वा	

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार में मिलाजुला कारोबार

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार में बुधवार को मिलाजुला कारोबार हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी और रियल्टी कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली से सेंसेक्स में गिरावट आई है। वहीं धातु और तेल एवं गैस शेयरों में हुए लाभ से निफ्टी ऊपर आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 35.78 अंक करीब 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ ही 58,817.29 अंक पर बंद हुआ। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 9.65 अंक तकरीबन 0.06 फीसदी बढ़कर 17,534.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान ज्यादातर समय बाजार सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था। इससे निवेशकों ने अपने निवेश को सीमित स्तर पर रखा। सेंसेक्स के शेयरों में बजाज फाइनेंस सबसे अधिक 2.66 फीसदी गिरा। वहीं एनटीपीसी, एचसीएल टेक, विप्रो, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और भारतीय स्टेट बैंक भी गिरेहे। कारोबार में बजाज फाइनेंस, ओएनजीसी, एचसीएल टेक, अडानी पोर्ट्स और एशियन पेंट्स निफ्टी के शेयर गिरे जबकि हिंडाल्को, कोल इंडिया, यूपीएल, टाटा स्टील और अपोलो हॉस्पिटल निफ्टी के शेयर लाभ में रहे। दूसरी ओर टाटा स्टील, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी और इंडसइंड बैंक शामिल के शेयरों को लाभ हुआ। इससे पहले सुबह बाजार की अच्छी शुरुआत हुई पर

कुछ देर बाद ही इसमें गिरावट आने लगी। गत दिवस मंगलवार को मुहर्रम के कारण बाजार बंद था। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो चीन का शंघाई कंपोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नीचे आये। वहीं यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में हल्की तेजी रही।

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी, पेट्रोल, डीजल और एलपीजी मूल्य में संशोधन पर रोक से मुनाफे पर होगा असर

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद पेट्रोल, डीजल और एलपीजी मूल्य में संशोधन पर रोक का असर पेट्रोलियम कंपनियों पर दिख रहा है। इसकारण चालू वित्त वर्ष में सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का मुनाफा प्रभावित होगा। सार्वजनिक क्षेत्र के खुदरा ईंधन विक्रेताओं ने चार माह से अधिक समय से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। उच्च मुद्रास्फीति को काबू में करने के लिए सरकार की कोशिशों में मदद के लिए ऐसा किया गया। गैसोलीन (पेट्रोल), गैसोइल (डीजल) और तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कीमतों को बढ़ाने पर लगी रोक के कारण भारतीय पेट्रोलियम विपणन कंपनियों के मुनाफे पर असर पड़ सकता है। हालांकि, निजी एजेंसी ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 से स्थितियों में सुधार होने लगेगा।

एयरटेल अफ्रीका ने सिटी के साथ 12.5 करोड़ डॉलर का ऋण समझौता किया

मुंबई । एयरटेल अफ्रीका ने अमेरिकी बैंकिंग प्रमुख सिटी के साथ 12.5 करोड़ डॉलर का ऋण समझौता किया है। कंपनी अफ्रीका के 14 देशों में दूरसंचार और मोबाइल मनी सेवाओं का संचालन करती है। एयरटेल अफ्रीका ने कहा कि सिटी के साथ समझौते में स्थानीय मुद्राओं और अमेरिकी डॉलर, दोनों में उधार लेना शामिल है। दूरसंचार कंपनी ने कहा, सुविधा की अवधि सितंबर 2024 तक की है, इसका इस्तेमाल एयरटेल अफ्रीका के संचालन और उसकी चार सहायक कंपनियों में निवेश का समर्थन करने के लिए होगा। सिटी के दक्षिण एशिया में कॉरपोरेट बैंकिंग के प्रमुख के बालासुब्रमण्यम ने कहा यह समझौता दूरसंचार क्षेत्र में सिटी इंडिया द्वारा किया गया पहला प्रदर्शन-संकेत आधारित सौदा है।

मैक्स हेल्थकेयर का जून तिमाही में शुद्ध लाभ 12 प्रतिशत बढ़कर 229 करोड़ रुपये पर

मुंबई । मैक्स हेल्थकेयर का चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 12 प्रतिशत बढ़कर 229 करोड़ रुपये हुआ है। मूल्य संशोधन और मरीजों की संख्या सामान्य होने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। कंपनी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। स्वास्थ्य सेवा प्रदाता ने पिछले वित्त वर्ष (2021-22) की अप्रैल-जून तिमाही में 205 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। मैक्स हेल्थकेयर की शुद्ध आय समीक्षाधीन अवधि में बढ़कर 1,393 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 1,322 करोड़ रुपये थी। मैक्स हेल्थकेयर इंस्टिट्यूट के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अभय सोई ने बयान में कहा कि तिमाही में सभी परिचालन और वित्तीय मानकों में सुधार हुआ है।

इंफोसिस में कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की दर में कमी आने की उम्मीद

बेंगलुरु ।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इंफोसिस ने आने वाली तिमाहियों में कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की दर में कमी आने की उम्मीद जाहिर की है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सलिल पारेख ने बताया कि कर्मचारियों के साथ संपर्क, प्रशिक्षण और वेतनवृद्धि के कंपनी के प्रयासों के नतीजों सामने आ रहे हैं। आगामी तिमाहियों में कर्मचारियों के कंपनी से बाहर जाने की दर में कमी आएगी। कर्मचारियों के कंपनी छोड़ने की दर में वृद्धि और नियुक्ति की लागत बढ़ने के बीच इंफोसिस के शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही है। इंफोसिस के लिए तिमाही आधार पर कर्मचारियों के कंपनी छोड़ने की दर में सुधार का संकेत दिखना शुरू हो है। सीईओ ने कहा कि कंपनी को लगता है कि हर तिमाही के गुजरने के साथ स्थिति अधिक से अधिक नियंत्रण में आ रही है। इंफोसिस के कर्मचारियों के कंपनी छोड़ने की दर जून, 2022 की तिमाही में बढ़कर 28.4 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछली तिमाही में 27.7 प्रतिशत थी। कंपनी ने आलोच्य तिमाही में रिकॉर्ड 21,000 लोगों को नियुक्त किया है। वहीं, पारेख ने कहा कि कंपनी के लिए कर्मचारियों के कंपनी छोड़ने की दर तिमाही आधार पर घटने के साथ सही दिशा में बढ़ने लगी है। उन्होंने कहा, इस दर में धीरे-धीरे कमी आ रही है। हमें लगता है कि यह अच्छी स्थिति है। वित्त वर्ष के अंत तक यह अधिक बेहतर होने की उम्मीद है।''

अगले 40 सालों में खड़ा हो सकता है अन्न संकट

इंदौर ।

रासायनिक दवाइयों एवं फर्टिलाइजर के खेती में अंधाधुंध प्रयोग से आने वाले 40-50 वर्षों में अन्न का संकट खड़ा हो सकता है। इसकी वजह मिट्टी में ऑर्गेनिक कार्बन की कमी के तौर पर सामने आई है। जिसको लेकर यूनाइटेड नेशन भी इस दिशा में बड़ा काम कर रहा है। ऑर्गेनिक कार्बन की कमी से मिट्टी की उपजाऊ क्षमता खत्म हो रही है। यह दावा कृषि क्षेत्र में रिसर्च कर रहे आशीष पालीवाल ने किया है,पालीवाल देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से एप्लाएड केमिस्ट्री से एमएससी शिक्षा प्राप्त है एवं आशीष पालीवाल अशोक नगर जिले के मुंगावली मेंऑर्गेनिक खेती को लेकर नए नए प्रयोग कर रहे हैं। विगत 17 सालों से इस कार्य में जुटे आशीष पालीवाल ने नैनो तकनीक आधारित दै विक कैप्सूल का निर्माण किया है। जिसे एसआरडी केमी मध्य प्रदेश द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। हाल ही में महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ रावरी महाराष्ट्र ने दैविक कैप्सूल के गन्ने की खेती में उपयोग किए जाने को लेकर रिसर्च में उत्साहजनक परिणाम प्राप्त किये है। रिसर्च रिपोर्ट में गन्ने की खेती में दैविक कैप्सूल का उपयोग किए जाने पर जहां उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई। वही गन्नों में कमर्शियल केन शुगर का प्रतिशत भी बढ़ा हआ पाया गया। रिसर्च के परिणाम देश के अल्प वर्षा वाले क्षेत्रों के लिए काफी वरदान हो सकते है। महात्मा फूले कृषि विद्यापीठ रावरी ने गन्ने की फसल में 20 से 40% कम पानी और दैविक कैप्सूल का उपयोग करते हए पाया कि प्रति हेक्टेयर 14 टन के ऊपर गन्ना अधिक उपजाया गया। रिपोर्ट में 20त्न कम सिंचाई को लेकर तीन स्प्रे और एक ड्रिंचिंग पद्धति से 14.17 प्रति हेक्टेयर एवं 40त्न कम सिंचाई के साथ

दैविक कैप्सूल के उपयोग पर 14.15 टन प्रति हेक्टेयर का उत्पादन अधिक प्राप्त किया गया । विद्यापीठ की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि दैविक कैप्सूल के उपयोग से पोषक तत्व का अवशोषण , फसल उत्पादन एवं कमर्शियल केन शुगर की मात्रा में आशातीत वृद्धि दर्ज की गई। विदयापीठ की रिसर्च रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि दैविक कैप्सूल के प्रयोग से कृषि के लिए जल की आवश्यकता की धारणा बदलेगी। आशीष पालीवाल ने बताया कि अभी तक लगभग 20000 किसानों ने विभिन्न फसलों जैसे चना, कपास, लहसुन और अन्य फसलों में भी दैविक कैप्सूल को आजमाया है। देश के अल्प वर्षा वाले क्षेत्रों आंध्र प्रदेश विदर्भ बुंदेलखंड में कई किसान इसका लाभ उठा सकते हैं दैविक कैप्सूल के निर्माण के लिए भारत सरकार ने प्रोविजनल लाइसेंस जारी किया है। पालीवाल ने बताया कि सामान्यतः गन्ने की फसल के लिए किसान फर्टिलाइजर और केमिकल के उपयोग में 12000 से 30000 प्रति एकड़ तक खर्च कर देता है। जबकि दैविक कैप्सूल के उपयोग का खर्च मात्र 2000 के करीब प्रति एकड़ बैठता है । पालीवाल ने दावा किया कि अगर गन्ना किसान फर्टिलाइजर और केमिकल से मुक्त होकर खेती करते हैं तो उन्हें कार्बन क्रेडिट का लाभ भी मिल सकता है। जो आने वाले दिनों में पर्यावरण सुधार की दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उल्लेखनीय है कि इस प्रयोग में मात्र 12 ग्राम प्रति एकड़ दैविक केप्सूल का उपयोग ही किया जाता है।

बैंक ऑफ बड़ौदा एमसीएलआर दर में वृद्धि करेगा, 12 अगस्त से होगी लागू

मुंबई ।

बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने विभिन्न अवधि वाले कर्ज के लिए कोष की सीमान्त लागत (एमसीएलआर) आधारित ऋण दर में 0.20 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की है। नई दरें 12 अगस्त से लागू होंगी। बैंक ने कहा कि उसने एमसीएलआर दर में वृद्धि को मंजूरी दे दी है। यह 12 अगस्त से प्रभावी होगी। एक साल की अवधि की बेंचमार्क एमसीएलआर को 7.65 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.70 प्रतिशत किया गया है। ज्यादातर उपभोक्ता कर्ज की ब्याज दरें इसी के आधार पर तय होती हैं। एक महीने की अवधि के कर्ज के लिए एमसीएलआर को 0.20 प्रतिशत बढ़ाकर 7.40 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, तीन महीने और छह महीने वाली अवधि के ऋण के लिए एमसीएलआर को 0.10 प्रतिशत बढ़ाकर क्रमशः 7.45 और 7.55 प्रतिशत करने का फैसला किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले सप्ताह प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.50 प्रतिशत बढ़ा दिया था। इसके बाद कई बैंकों ने अपनी ब्याज दरों में वृद्धि की है।

एयरटेल की 5जी सेवाएं इसी महीने हो सकती हैं शुरू

- कंपनी का मार्च, 2024 तक सभी शहरों तथा प्रमुख ग्रामीण क्षेत्रों में 5जी सेवाएं शुरू करने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल इसी महीने से 5जी सेवाएं शुरू करने पर विचार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य मार्च, 2024 तक देश के सभी शहरों तथा प्रमुख ग्रामीण क्षेत्रों में 5जी सेवाएं शुरू करने का है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गोपाल विट्टल ने कहा कि देश में मोबाइल सेवाओं की कीमत काफी कम है और इसे बढ़ाये जाने की जरूरत है। हमारा 5जी सेवाएं अगस्त से शुरू करने का इरादा है। जल्दी ही इसे देशभर में पहुंचाया जाएगा। हमें भरोसा है कि हम मार्च, 2024 तक देश के प्रत्येक शहर और प्रमुख ग्रामीण इलाकों में 5जी सेवाएं शुरू कर देंगे। देश में 5,000 शहरों में नेटवर्क क्रियान्वयन की विस्तृत योजना तैयार है। यह कंपनी के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा क्रियान्वयन होगा। भारती एयरटेल ने हाल में संपन्न स्पेक्ट्रम नीलामी में पूरे देश में 3.5 गीगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज बैंड में 19,867.8 मेगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी हासिल की। कंपनी ने कुल 43,040 करोड़ रुपए में निम्न और मध्यम बैंड में स्पेक्ट्रम खरीदा है। कंपनी का पूंजी व्यय मौजूदा स्तर पर बना रहेगा। उन्होंने महंगे और बेहतर माने जाने वाले 700 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम खरीदने की जरूरत को तवज्जो नहीं दी। इस बैंड में स्पेक्ट्रम से अन्य बैंड के मुकाबले दूरसंचार सेवाओं के लिए कम मोबाइल टावर लगाने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि हमारी प्रतिस्पर्धी कंपनियां के पास बड़े स्तर पर मध्यम बैंड स्पेक्ट्रम नहीं है। अगर हमारे पास इतने बड़े स्तर पर मूल्यवान मध्यम बैंड में स्पेक्ट्रम नहीं होता, तो हमारे लिए 700 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता। कंपनी के पास 900 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बैंड है और उसकी तुलना में 700 मेगाहर्ट्ज बैंड में नेटवर्क से कोई अतिरिक्त कवरेज नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि एयरटेल की मासिक प्रति ग्राहक औसत कमाई (एआरपीयू) 183 रुपए है और इसके जल्दी ही शुल्क दरों में वृद्धि के साथ 200 रुपए से 300 रुपए पर पहुंचने का अनुमान है।

रुपया 79.48 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपये में 15 पैसे की तेजी आई है और ये 79.48 के (अस्थायी) के भाव पर बंद हुआ है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 79.59 के स्तर पर खुला। कारोबार के दौरान एक समय रुपया 79.41 के उच्चस्तर और 79.59 के निचले स्तर पर भी रहा पर कारोबार के अंत में रुपया 15 पैसे की तेजी के साथ 79.48 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस मुहर्रम के कारण बाजार बंद था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के समक्ष डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.18 फीसदी गिरकर 106.18 हो गया।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का मुनाफा अप्रैल-जून में 9 फीसदी बढ़ा

मुंबई ।

सार्वजनिक क्षेत्र के सभी 12 बैंकों ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इस दौरान इन बैंकों का सामूहिक लाभ लगभग 15,306 करोड़ रुपए रहा है। गौरतलब है कि एसबीआई और पीएनबी जैसे बड़े बैंकों के खराब प्रदर्शन के बावजूद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का कुल प्रदर्शन संतोषजनक रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा जारी तिमाही आंकड़ों के अनुसार पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में इन बैंकों ने कुल 14,013 करोड़ रुपए का लाभ दर्ज किया था। इन 12 में तीन बैंकों भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ इंडिया ने अपने मुनाफे में सात से 70 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की। इन बैंकों ने कहा कि बॉन्ड प्रतिफल के सख्त होने के कारण उनका मुनाफा घटा। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में नौ बैंकों ने तीन से 117 प्रतिशत तक लाभ दर्ज किया। पुणे स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने सबसे अधिक प्रतिशत वृद्धि दर्ज की और उसका मुनाफा बढ़कर 452 करोड़ रुपए हो गया। इसके बाद बैंक ऑफ बड़ौदा का स्थान रहा, जिसने 79 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए कुल 2,168 करोड़ रुपए का मुनाफा हासिल किया। गिरावट के बावजूद एसबीआई का मुनाफा 6,068 करोड़ रुपए रहा, जिसका योगदान संयुक्त लाभ में सबसे अधिक रहा।

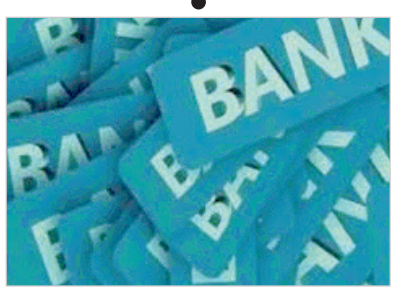

संयुक्त लाभ में अकेले एसबीआई ने लगभग 40 प्रतिशत योगदान दिया। इसके बाद 2,168 करोड़ रुपए के साथ बैंक ऑफ बड़ौदा का स्थान रहा। इस दौरान एसबीआई सहित नौ बैंकों ने शेयरधारकों को 7,867 करोड़ रुपए के लाभांश की घोषणा की।

यस बैंक ने एफडी की ब्याज दरे बढ़ाई

- बढ़ी हुई ब्याज दर 10 अगस्त से लागू

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो रेट में वृद्धि किए जाने के बाद बैंकों ने लोन की ब्याज दरें बढ़ाने के साथ जमाओं पर भी ज्यादा रिटर्न देना शुरू कर दिया है। इस कड़ी में अब निजी क्षेत्र के यस बैंक ने भी एफडी की ब्याज दरों को बढ़ा दिया है, जो बुधवार 10 अगस्त से लागू भी हो गई हैं। बैंक की वेबसाइट के मुताबिक 2 करोड़ से कम की जमाओं पर अलग-अलग टेन्योर के लिए ब्याज दरें बढ़ाई गई हैं। बैंक अब 7 दिन से 14 दिन की एफडी कराने वालों को 3.25 फीसदी का ब्याज रहा है, जबकि 15 दिन से 45 दिन तक की एफडी पर 3.50 फीसदी का ब्याज ऑफर कर रहा है। इसी तरह, 46 दिन से 90 दिन वाली एफडी पर 4.10 फीसदी और 3 महीने से 6 महीने की एफडी पर 4.75 फीसदी का ब्याज दे रहा है। यस बैंक अब एक साल से लेकर 18 महीने तक की एफडी पर 6.25 फीसदी का ब्याज ऑफर कर रहा है। इसी तरह 18 महीने से लेकर 3 साल तक और तीन साल से लेकर 10 साल तक की सावधि जमाओं पर भी ब्याज दरें बढ़ाकर 6.75 फीसदी कर दिया है। बैंक ने यह बढ़ोतरी रेपो रेट में 0.50 फीसदी की वृद्धि होने की वजह से की है।यस बैंक वरिष्ठ नागरिकों को एफडी पर ज्यादा ब्याज ऑफर कर रहा है। बैंक के मुताबिक 7 दिन से 3 साल तक की एफडी पर रेगुलर रेट के अलावा वरिष्ठ नागरिकों को 0.50 फीसदी का ज्यादा ब्याज दिया जा रहा है। इसी तरह 3 साल से 10 साल की एफडी पर रेगुलर ब्याज के अलावा 0.75 फीसदी का अतिरिक्त रिटर्न दिया जा रहा है। बढ़ोतरी के बाद वरिष्ठ नागरिकों की कुल ब्याज दर 3.75 फीसदी से लेकर 7.50 फीसदी तक पहुंच गई है।

कार बनाने वाली कंपनियां देगी भारी डिस्काउंट

-देश के कार बाजार में सस्ती मिलेंगी कारें

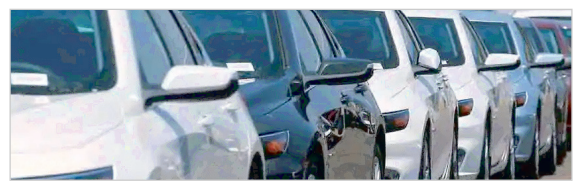

नई दिल्ली ।

यात्री वाहन निर्माता त्योहारी सीजन से पहले उत्पादन और छूट को कम करने की तैयारी कर रहे हैं, ऐसे समय में उत्पादन बढ़ने से डीलरशिप पर स्टॉक अधिक हो गया है। पिछले चार महीनों में खुदरा बिक्री थोक बिक्री से पिछड़ गई है, जो मांग-आपूर्ति बेमेल का संकेत देती है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के अनुसार, वर्ष की शुरुआत में कुल उद्योग सूची 120,000 से बढ़कर 212,000 हो गई है। उच्च स्टॉक बेहतर उत्पादन का संकेत देते हैं, लेकिन उद्योग को अब विशिष्ट मॉडलों की अंतर्निहित मांग से मेल खाना चाहिए क्योंकि बुकिंग में वृद्धि जारी है।मारुति सुजुकी के कार्यकारी निदेशक शशांक श्रीवास्तव ने कहा, 'अब जबकि हम पिछले कुछ महीनों से अपनी उत्पादन योजनाओं के लगभग 95फीसदी के करीब हैं, मारुति सुजुकी और अन्य निर्माताओं के लिए बड़ी चुनौती अंतर्निहित मांग पैटर्न के अनुसार वाहनों का उत्पादन करना होगा। हमारे पास बहुत सारी बुकिंग लंबित हैं, लेकिन साथ ही, हम देखते हैं कि खुदरा बिक्री की तुलना में थोक बिक्री अधिक हो रही है। यह तभी हो सकता है जब उत्पादन वास्तविक मांग से मेल नहीं खा रहा हो; इसलिए लंबित भुगतानों के साथ इसका मिलान करना त्योहारी सीजन में एक बड़ी चुनौती है, जहां हम और अधिक बुकिंग देखेंगे।'मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियां भी भारी छूट ऑफर करती हैं , क्योंकि कंपनियां इन्वेंट्री को कम करने की कोशिश करती हैं, खासकर एंट्री-लेवल और कम लोकप्रिय मॉडल्स को कंपनिया ज्यादा से ज्यादा सेल करने का प्रयास करती हैं। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोटिव डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विंकेश गुलाटी के अनुसार, डीलरों को प्रवेश स्तर पर यात्री वाहनों की बिक्री में सुधार देखने को मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'हम देखेंगे कि अगस्त में भी इन्वेंट्री का स्तर बढ़ जाएगा।

बाइडन ने 280 अरब डॉलर के चिप्स अधिनियम पर हस्ताक्षर किए

वाशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने 280 अरब डॉलर के द्विदलीय विधेयक पर हस्ताक्षर किया है। इस विधेयक का मकसद अमेरिका में उच्च तकनीक वाले विनिर्माण को बढ़ावा देना है, जिससे देश को चीन पर प्रतिस्पर्धी बढ़त मिलेगी। द्विदलीय विधेयक का अर्थ है कि इसे दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों का समर्थन हासिल है। इस विधेयक को चिप्स विधेयक नाम दिया गया है। व्हाइट हाउस ने कहा कि स्थानीय समारोह में सांसद, संघीय अधिकारी, स्थानीय राजनेता और व्यापारिक नेता शामिल होंगे। इस दौरान बाइडन ने नए कानून को जारी किया। नया कानून स्थानीय स्तर पर सेमीकंडक्टर उद्योग में निवेशकों को प्रोत्साहित करेगा। इससे इस महत्वपूर्ण घटक के लिए अमेरिका की आयात पर निर्भरता कम होगी।

बाइडन ने कहा कि हम इसके लिए अमेरिका में निवेश करने जा रहे हैं। हम इसे अमेरिका में बनाने जा रहे हैं। हम अमेरिका में 21वीं सदी की आर्थिक प्रतिस्पर्धा जीतने जा रहे हैं।

टी20 रैंकिंग में सूर्यकुमार दूसरे नंबर पर, अय्यर ऊपर बढ़े, बिश्नोई और कुलदीप को भी फायदा

बर्मिंघम (एजेंसी)।

दुबई। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव बुधवार को जारी ताजा आईसीसी टी20 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर बरकरार हैं जबकि हमवतन श्रेयस अय्यर दो पायदान के फायदे से 19वें स्थान पर पहुंच गये। पाकिस्तान के बाबर आजम बल्लेबाजी सूची में शीर्ष पर काबिज हैं और सूर्यकुमार यादव भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर बने हुए हैं जिनके 805 अंक हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल में समाप्त हुई श्रृंखला के अंतिम टी20 मुकाबले में 40 गेंद में 64 रन की पारी खेलने वाले अय्यर पहले चार मैचों में बड़ी पारी नहीं खेल सके थे। गेंदबाजों में स्पिनर रवि बिश्नोई और कुलदीप यादव को रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है।

बिश्नोई (21 वर्ष) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दो मैचों में छह विकेट झटके थे जिससे वह 50 पायदान की छलांग से 44वें स्थान पर पहुंच गये। वहीं कुलदीप ने अंतिम मैच में तीन विकेट चटकाये थे, उन्होंने 58 पायदान की छलांग लगायी जिससे वह 87वें नंबर पर काबिज होने में सफल रहे। हालांकि सीनियर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बावजूद एक पायदान नीचे नौवें स्थान पर खिसक गये। दक्षिण अफ्रीका के रीजा हेंड्रिक्स को टी20 में काफी लाभ हुआ है, वह आयरलैंड पर श्रृंखला में 2-0 की जीत के दौरान 74 और 42 रन की पारी की बदौलत 13वें स्थान पर पहुंच गये।

दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज 10 पायदान के फायदे से गेंदबाजों की सूची में 18वें स्थान पर पहुंच गये जबकि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी (23वें नंबर) और न्यूजीलैंड के लॉकी फर्ग्यूसन (31वें नंबर) ने भी रैंकिंग में अपने स्थान में सुधार किया है। पाकिस्तानी कप्तान आजम टी20 में नंबर एक रैंकिंग के बल्लेबाज बने हुए हैं जबकि आस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड और अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी क्रमशः गेंदबाजों और आल राउंडर की सूची में पहले स्थान पर काबिज हैं।

शीर्ष अमेरिकी लॉन टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने जताया संन्यास लेने का अंदेशा

वॉशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका की शीर्ष लॉन टेनिस खिलाड़ी और 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स ने मंगलवार को अपने संन्यास का अंदेशा देते हुए कहा कि उलटी गिनती शुरू हो गई है। विलियम्स ने इंस्टाग्राम पर कहा कि जिन्दगी में एक ऐसा समय आता है, जब हमें एक अलग दिशा में बढ़ने का फैसला करना होता है। वह समय हमेशा कठिन होता है जब आप किसी चीज से इतना प्यार करते हैं।

उन्होंने कहा कि मत पूछिए मैं टेनिस का कितना आनंद लेती हूं, लेकिन अब उलटी गिनती शुरू हो गई है। मुझे एक मां होने पर, अपने आध्यात्मिक लक्ष्यों पर और अंत में एक अलग, लेकिन सिर्फ रोमांचक सेरेना की खोज पर ध्यान केंद्रित करना है। मैं इन अगले कुछ हफ्तों का आनंद लेने वाली हूं।

अमेरिकी दिग्गज ने जून में विंबलडन में अपनी एकल वापसी करने से पहले चोट के कारण लंबे समय तक टेनिस नहीं खेला था जिसके बाद उनके सन्यास के बारे में अटकलें लगाई गईं। वह कहती हैं कि वह इस महीने के अंत में यूएस ओपन में खेलेंगी, जहां उन्होंने अपने 6 प्रमुख एकल खिताब जीते हैं। विलियम्स ने अपना आखिरी ग्रैंड स्लैम खिताब 2017 ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीता था, जब वह बेटी ओलंपिया के साथ 8 सप्ताह की गर्भवती थीं। विलियम्स ने सोमवार को 14 महीनों में अपनी पहली एकल जीत दर्ज करते हुए टोरंटो में नेशनल बैंक ओपन में स्पेन की नुरिया पारिजास डियाज को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वह ओपन युग में सर्वाधिक खिताब जीतने वाली महिला खिलाड़ी हैं। अगले महीने 41 साल की होने वाली विलियम्स ने 73 करियर एकल खिताब और 23 करियर युगल खिताब हैं।

मुंबई इंडियंस ने घोषित की यूएई और दक्षिण अफ्रीका टी-20 लीग की अपनी टीमें

मुंबई/दुबई/केप टाउन (एजेंसी)।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के स्वामित्व वाली मुंबई इंडियंस (एमआई) ने बुधवार को 'एमआई एमिरेट्स' और एमआई केप टाउन के रूप में दो नई फ्रेंचाइजी टीमों का अनावरण किया। रिलायंस ने बताया कि एमआई एमिरेट्स संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अंतरराष्ट्रीय टी-20 लीग में खेलेगी, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टी-20 लीग में खेलने वाली टीम का नाम एमआई केप टाउन होगा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की निदेशक नीता अंबानी ने कहा- मुझे एमआई एमिरेट्स और एमआई केप टाउन का स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है, यह हमारे मुंबई इंडियन्स परिवार के सबसे नए सदस्य हैं। हमारे लिए एमआई क्रिकेट से कहीं अधिक है। यह सपने देखने, निडर होने और जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की क्षमता का प्रतीक है। मुझे यकीन है कि एमआई एमिरेट्स और एमआई केप टाउन दोनों समान मूल्यों को अपनाएंगे और एमआई की वैश्विक क्रिकेट विरासत को और भी अधिक ऊंचाइयों तक ले जाएंगे!

लंका प्रीमियर लीग 6 दिसंबर से, इस टीम का अब तक रहा है दबदबा

कोलंबो(एजेंसी)।

पूर्व में स्थगित की गई लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) अब छह से 23 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी। आयोजकों ने यह घोषणा की। इस टी-20 लीग का आयोजन पहले एक अगस्त से 21 अगस्त तक होना था लेकिन श्रीलंका में वित्तीय संकट के कारण इसको पिछले महीने स्थगित कर दिया गया था। एलपीएल टूर्नामेंट के आयोजक समांता डोडनवेला ने कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि लंका प्रीमियर लीग का आयोजन छह से 23 दिसंबर के बीच किया जाएगा। लीग के प्रमोटर आईपीजी ने भी ट्विटर पर इस खबर की पुष्टि की। श्रीलंका ने आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद जुलाई में आस्ट्रेलिया की सफल मेजबानी की थी। उसे एशिया कप की मेजबानी भी करनी थी लेकिन अब इसे 27 अगस्त से 11 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जाएगा। श्रीलंका प्रीमियर लीग के अब तक दो सीजन हुए हैं। 2020 सीजन में जाफना स्टैलियंस ने गाले ग्लेडिएटर्स को हराकर खिताब जीता था तो 2021 में जाफना किंग्स ने गाले ग्लेडिएटर्स को हराकर खिताब जीता। टूर्नामेंट में कुल 5 टीमें हिस्सा लेती हैं। दानुष्का गुणाथिलके सबसे ज्यादा 702 रन बनाने वाले प्लेयर हैं तो वानिंदु हसरंगा सबसे ज्यादा 28 विकेट निकाल चुके हैं।

शाहीन से मुकाबले के लिए तैयार रहें भारतीय बल्लेबाज: कनेरिया

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने कहा है कि एशिया कप क्रिकेट मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजों को पाक तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी से डरने की जरूरत नहीं है। कनेरिया ने कहा है कि भारतीय टीम के पास रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे बल्लेबाज हैं। उन्हें बस इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि शाहीन फुलर गेंदबाजी करने और गेंद को स्विंग कराने के लिए देखेगा। इसलिए उन्हें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय बल्लेबाजों को इस तरह की गेंद को शरीर के नजदीक से खेलना होगा। सूर्यकुमार यादव के स्क्वायर लेग पर फ्लिक शॉट भी शाहीन की गेंदबाजी को बेकार कर सकते हैं। अन्य बल्लेबाजों को भी उनसे सीखने की जरूरत है। बल्लेबाज बाएं हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ थोड़ा परेशान जरूर दिखे हैं। पिछले दिनों इंग्लैंड के रिसी टॉपली और वेस्टइंडीज के ओबेड मैकॉय ने भी उन्हें काफी परेशान किया।

गौरतलब है कि एशिया कप दूसरी बार टी20 प्रारुप में खेला जा रहा है। अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए यह टूर्नामेंट अहम है। टी20 एशिया कप 27 अगस्त से यूएई में होना है। इस टूर्नामेंट के मेन राउंड में कुल 6 टीमें उतर रही हैं। भारत और पाक के बीच 28 अगस्त को दुबई में ग्रुप राउंड का मुकाबला खेला जाना है।पिछले साल यूएई में हुए टी20 वर्ल्ड कप के बाद पहली बार दोनों टीमें किसी इंटरनेशनल मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

रूडी अपनी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ अंपायरों में से एक थे: आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायर रूडी कर्टजन के निधन पर दुख जताया है। कर्टजन दक्षिण अफ्रीका में एक कार हादसे का शिकार हुए थे। उन्होंने 1992 से 2010 के बीच 331 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों में अंपायरिंग की थी। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, ''रूडी अपनी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ अंपायरों में से थे और खिलाड़ी उनका बहुत सम्मान करते थे। उन्होंने करीब दो दशकों तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अंपायरिंग की और आईसीसी ने इस अवधि के दौरान कुछ बड़े मैचों के लिए उन पर भरोसा दिखाया।'' उन्होंने कहा, ''रूडी अपने समकालीन खिलाड़ियों और अंपायरों में बेहद लोकप्रिय थे और हमेशा मदद के लिए तैयार रहते थे। क्रिकेट में उनका योगदान आने वाले कई वर्षों तक याद किया जाएगा। हम उनके दुखद निधन पर उनके परिवार और दोस्तों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं।''

अजहरुद्दीन ने महिला टीम की बल्लेबाजी को बताया बकवास, फैन्स ने लगा दी क्लास

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम बर्मिंघम में कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गई। इसके बाद भारत को अपने पहले सिल्वर मेडल के साथ ही संतोष करना पड़ा। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 65 रन बनाए, लेकिन उनकी यह शानदार पारी टीम को जीता नहीं सकी। भारत को पहला सिल्वर मेडल दिलाने के लिए देशभर में टीम इंडिया की सराहना हुई, लेकिन इस बीच टीम इंडिया के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने महिला टीम के बारे में कुछ ऐसा कह दिया है, जिसकी जमकर आलोचना हो रही है! दरअसल भारत को गोल्ड जीतने के लिए 162 रन बनाने की जरूरत थी, लेकिन टीम 152 रनों पर ही आउट हो गई। सिर्फ कुछ रनों की कमी से टीम इंडिया एक बड़े टाइटल को जीतने से पीछे रह गई। महिला क्रिकेट टीम को उनके प्रयासों के लिए सिल्वर मेडल मिला। इसके बाद अजहरुद्दीन ने उनके प्रदर्शन के लिए टीम को ट्विटर पर फटकार लगाई, जिसके बाद उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। अजहरुद्दीन ने ट्वीट किया, भारतीय टीम की बकवास बल्लेबाजी. कोई कॉमन सेंस नहीं। एक जीती हुई बाजी को हाथ से जाने दिया। उनका ट्वीट कुछ ही समय में वायरल हो गया. फैन्स कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला टीम के समर्थन में आए और अजहरुद्दीन को इस तरह का कमेंट करने के लिए जमकर लताड़ा। फैन्स ने उनकी कप्तानी के दिनों और उनके खराब परफॉर्मेंस की याद दिलाई।

लंदन में फिर चैम्पियन बनी भवानी देवी, राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैम्पियनशिप में जीता गोल्ड

लंदन (एजेंसी)।

भारत की भवानी देवी ने यहां चल रही राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर अपने खिताब का अच्छी तरह से बचाव किया। विश्व में 42वें रैंकिंग की भारतीय तलवारबाज ने सीनियर महिला साबरे व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया की वेरोनिका वासिलेवा को 15-10 से हराया।

ओलिम्पिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय तलवारबाज बनने के बाद चेन्नई में जन्मी भवानी ने अपने खेल में लगातार प्रगति की है। उन्होंने इस्तांबुल में खेले गए विश्वकप से इस साल की शुरुआत की जिसमें वह 23वें स्थान पर रही। इसके बाद भवानी ने जुलाई में काहिरा में विश्व चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया और दूसरे दौर तक पहुंचने में सफल रही। राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैम्पियनशिप इस साल उनका दसवां अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है। अपनी जीत पर भवानी ने कहा- फाइनल बेहद कड़ा था और मैं इस साल भारत के लिए एक और स्वर्ण पदक जीतकर बेहद प्रसन्न हूं। मेरे लिए इस साल का सफर अभी तक बहुत अच्छा रहा है और मैं आगामी प्रतियोगिताओं में भी यही लय बरकरार रखना चाहती हूं। भारतीय तलवारबाजी संघ के महासचिव राजीव मेहता उन्हें देश में तलवारबाजी की मशालवाहक के रूप में देखते हैं। मेहता ने कहा कि वह भारत के प्रत्येक तलवारबाज के लिए प्रेरणा है और उसके कारण कई युवा इस खेल में वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोडने का सपना देखते हैं। इस स्वर्ण पदक से हमारा विश्वास बढ़ा है कि भारत में तलवारबाजी खेल आगे बढ़ रहा है।

नाओमी ओसाका को कमर में लगी चोट, इस नामी टूर्नामेंट से हुई बाहर

टोरंटो। चार बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नाओमी ओसाका कमर की चोट के कारण नेशनल बैंक ओपन के पहले ही दौर से बाहर हो गई। उस समय वह एस्तोनिया की केइया कानेपी से 6.7, 0.3 से पीछे चल रही थी। इससे पहले पिछले 3 टूर्नामेंटों में वह पहले या दूसरे दौर में ही बाहर हो गई थी। फ्रेंच ओपन के बाद यह उनका पहला टूर्नामेंट था। कानेपी का सामना अब स्पेन की गार्बाइन मुगुरूजा से होगा। अन्य मैचों में कोको गॉ ने अमेरिका की ही मेडिसन ब्रेंगलेम को 6.1, 6.3 से हराया। वहीं चीन की झेंग किनवेन ने कनाडा की रेबेका मारिनो को 3.6, 7.6, 6.4 से मात दी। इटली की कामिला जियोर्जी ने नौवीं वरीयता प्राप्त इंग्लैंड की एम्मा राडूकानू को 7.6, 6.2 से हराया।

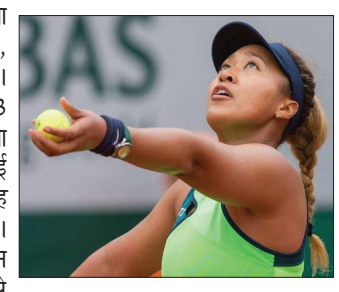

अरशद की नजरें अब विश्व रिकार्ड पर लगीं

लाहौर। पाकिस्तान के भाल फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद से ही देश में छाये हुए हैं। अरशद ने राष्ट्रमण्डल खेलों में 90.18 मीटर लंबा थ्रो कर स्वर्ण जीता। इससे देश में जश्न का माहौल है। अरशद ने कहा कि वह इन खेलों में 95 मीटर दूर भाला फेंकना चाह रहे थे पर चोट के कारण 90 तक ही फेंक पाया। अब मेरा लक्ष्य बेहतरीन ट्रेनिंग लेकर विश्व रिकॉर्ड तोड़ना है। ऐसे में भारत के नीरज चोपड़ा के साथ उनका मुकाबला तेज हो सकता है। जेवलिन थ्रो के टॉप-20 विश्व रिकॉर्ड में नीरज और अरशद को यदि विश्व रिकॉर्ड तोड़ना है, तो उन्हें और कड़ी मेहनत करनी होगी, क्योंकि चेक रिपब्लिक के जान ज़ेलेज़नी के नाम 98.48 मीटर का विश्व रिकार्ड है।

जिम्बाब्वे दौरे में टीम इंडिया को मिलेगी कड़ी टक्कर

मुबई (एजेंसी)।

शिखर धवन की कप्तानी में भारतीय टीम 15 अगस्त को जिम्बाब्वे दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम को इस दौरे में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए तैयार रहना चाहिये। उसे मेजबान टीम को हल्के में नहीं लेना होगा क्योंकि . बांग्लादेश के खिलाफ टीम ने शानदार खेल दिखाया है। जिम्बाब्वे के कप्तान रेगिस चकाब्वा अभी जबरदस्त लय में हैं। उन्होंने हाल ही में 14 साल के बाद अपने एकदिवसीय करियर का पहला शतक भी लगाया है। चकाब्वा ने अपने एकदिवसीय करियर की शुरुआत साल 2008 में केन्या के खिलाफ सीरीज से की थी पर उन्होंने शतक बांग्लादेश के खिलाफ 2022 में लगाया था। चकाब्वा ने बांग्लादेश के खिलाफ दुसरे एकदिवसीय मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए केवल 75 गेंदों में 136 की स्ट्राइक रेट से 102 रन बनाये। इस दौरान उन्होंने 10 चौके एवं दो छक्के लगाये। चकाब्वा के क्रिकेट करियर के बारे में तो इन्होने जिम्बाब्वे के लिए टेस्ट क्रिकेट में 22 मैच खेलते हुए 43 पारियों में 27.2 की औसत से 1061 रन बनाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम एक शतक और पांच अर्द्धशतक दर्ज है। इसके अलावा उन्होंने अपनी टीम के लिए वनडे में 55 मैच खेलते हुए 51 पारियों में 21.6 की औसत से 1057 रन बनाए हैं।

मोरे ने अश्विन को शामिल करने पर उठाये सवाल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर किरण मोरे ने अनुभवी स्पिनर आर अश्विन को एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किये जाने को लेकर सवाल उठाये हैं। इस दौरे के लिए भारतीय टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को जगह नहीं दी गयी है।

मोरे ने कहा कि भारत एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज के तौर पर मोहम्मद शमी को शामिल कर सकता था। इसके अलावा चयनकर्ता अश्विन की जगह पर अक्षर पटेल को बतौर ऑलराउंडर स्पिनर के तौर पर रख सकते थे। उन्होंने कहा, मैं हैरान हूं अश्विन भी इस टीम में कैसे आ सकते हैं? और हर बार. पिछले विश्व कप में भी उन्हें टीम में चुना गया था पर अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली। वैसे भी उनका टी20 रिकार्ड अच्छा नहीं है। उनकी जगह अक्षर को शामिल किया जाना चाहिये था। अक्षर ने अब तक बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। शमी वह विश्व कप में जरुर शामिल किया जाएगा। शमी नई गेंद से बीच के ओवरों में भी विकेट ले सकते हैं।

केएल राहुल के एशिया कप 2022 खेलने पर फिर लटकी तलवार, यह है कारण

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भले ही केएल राहुल को आगामी एशिया कप के लिए टीम इंडिया में शामिल कर लिया है लेकिन उनका खेलना अभी भी संदिग्ध बना हुआ है। आपरेशन करवाने के बाद से राहुल रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। सिलेक्टर्स उनकी प्रगति देखकर खुश है लेकिन राहुल ने अभी भी वापसी के लिए जरूरी फिटनेस टेस्ट पास नहीं किया है। आगामी दिनों में एनसीए में राहुल का टेस्ट होना है। अगर वह फेल हो गए तो उनके लिए एशिया कप खेलना संदिग्ध हो जाएगा।

नहीं तो श्रेयस अय्यर होंगे शामिल

बीसीसीआई सूत्र का कहना है कि केएल राहुल फिलहाल पूरी तरह फिट बताए जा रहे हैं इसी कारण उनका टीम में सिलेक्शन हुआ है। लेकिन प्रोटोकॉल के चलते उन्हें बेंगलुरु में होने वाले फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। समझा जाता है कि अगर केएल राहुल टेस्ट में फेल हो गए तो उनकी जगह श्रेयस अय्यर को मौका दिया जाएगा। श्रेयस को पहले से एशिया कप के लिए टीम इंडिया के साथ बतौर स्टैंडबाय रखा गया है।

इसलिए फिटनेस पर उठ रहे सवाल

अप्रैल से शुरू होने आईपीएल के बाद से अब तक केएल राहुल ने कोई टी-20 नहीं खेला है। उन्होंने जून में ही जर्मनी से सर्जरी करवाई थी। जुलाई में उन्होंने इससे उभरकर ट्रेनिंग शुरू कर दी थी। लेकिन फिर पिछले महीने उनकी कोविड रिपोर्ट पॉजीटिव आ गई। ठीक होने के बाद राहुल फिर से ट्रेनिंग करने लगे लेकिन उनकी फिटनेस पर अभी भी सवाल खड़ा हो रहा है।

एशिया कप 2022 के लिए टीम इंडिया टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (वीसी), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, रिषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रविंद्र जडेजा, रवि अश्विन, युजी चहल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, अवेश खान।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बहन भाई के पवित्र प्रेम का महान पर्व है रक्षाबंधन!

महान पर्व रक्षाबंधन बहन भाई के पवित्र प्रेम का प्रतीक है।भाई बहन का एक दूसरे के प्रति हित चिंतक होना और जब भी आवश्यकता हो ,मदद व रक्षा के लिए तत्पर रहना ही इस पवित्र रिश्ते में मिठास पैदा करता है।

रक्षा बंधन का त्योहार सावन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है. पंचांग के अनुसार, इस साल पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 11 अगस्त को सुबह 10 बजकर 38 मिनट से होगी।जबकि पूर्णिमा तिथि का समापन 12 अगस्त को सुबह 7 बजकर 05 मिनट पर होगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस बार रक्षाबंधन के दिन एक बेहद शुभ संयोग का निर्माण हो रहा है। इस दुर्लभ शुभ संयोग के कारण रक्षाबंधन का त्योहार और भी अधिक खास माना जा सकता है। इस बार रक्षा बंधन का त्योहार अमृत योग में मनाया जाएगा।ज्योतिष शास्त्र के जानकारों के का कहना है कि रक्षा बंधन पर ऐसा दुर्लभ संयोग 24 साल बाद बन रहा है। अमृत योग में किए गए शुभ कार्य सफलतापूर्वक संपन्न होते हैं।ऐसा माना जाता है।

भाई-बहन दोनो को संकल्प करना चाहिए कि परमात्मा इतनी शक्ति दे कि परमात्म अनुभूति के साथ पवित्रता का संकल्प करते हुए हम देवता समान बन जाए ।यही रक्षाबंधन की मूल अवधारणा है। चूंकि हम सभी परमात्मा की संतान हैं और परमात्मा हमारा पिता है। इसी कारण उसकी संतान होने के नाते हम आपस में भाई-भाई या फिर भाई बहन एक दूसरे को मानें और समझें तथा आवश्यकता पड़ने पर एक दूसरे की रक्षा करें। इसी संकल्प को बंधन रुप में मानते हुए यह पर्व मनाया जाता है। भाई-बहन का रिश्ता चूंकि सबसे पवित्र और पावन है, चाहे बहन हो या भाई दोनों ही एक दूसरे के प्रति शुभ भावना रखते हैं और एक दूसरे की प्रगति चाहते हैं, वह भी बिना किसी स्वार्थ के। हालांकि रक्षाबंधन पर जब बहन ,भाई को राखी बांधती है तो भाई बदले में उसे उपहार देता है। ऐसा इसलिए है ताकि भाई बहन के बीच प्रेम और सदभाव उत्तरोत्तर बढ़ता रहे और कम से कम एक दिन ऐसा हो जब भाई बहन एक दूसरे से मिलकर खुशी मना सकें। आज भी गांव देहात में पंडित द्वारा अपने यजमानों को रक्षासूत्र यानि राखी बांधने का प्रचलन है। इसके पीछे भी यही अवधरणा है कि पंडित को विद्वान और पवित्र माना जाता है और वह रक्षासूत्र बांधने के पीछे अपने यजमान को बुद्धिमान और पवित्र रहने का संदेश देता है। रक्षाबंधन के पर्व पर जब बहन भाई की कलाई पर राखी बांधती है तो उन्हें विकारों को त्यागने का संकल्प लेना चाहिए। जिसकी शुरूआत प्रति रक्षाबंधन एक विकार को त्यागने के संकल्प के साथ हो सकती है। क्योंकि मनुष्य में व्याप्त विकार एक नहीं अनेक होते हैं। जिनमें काम क्रोध, मोह, लोभ और अहंकार जहां प्रमुख हैं ।वहीं ईर्ष्या, द्वेष, घृणा जैसे विकार भी मनुष्य की प्रगति में बाधक हैं। सच पूछिए तो रक्षाबंधन है ही पवित्रता का पावन पर्व। जिसमें भाई बहन के पवित्र रिश्ते की रक्षा के लिए रक्षासूत्र बांधने की वर्षों से परम्परा है। इस पर्व के माध्यम से जहां हम अपनी बहनों की सुख समृद्धि और प्रगति की कामना करते हैं वहीं बहन भी अपने भाई की दीर्घायु की कामना के साथ-साथ उसकी उन्नति की प्रार्थना करती हैं। रक्षा बन्धन शब्द से ही इस पर्व के अर्थ का पता चल जाता है। भावनात्मक रिश्तो को बनाये रखने और एक दूसरे की रक्षा को कृतसंकल्पित होने के अवसर का नाम है रक्षा बन्धन। भले ही आज यह पर्व भाई बहन की रक्षा के संकल्प के निमित मनाया जाता हो और बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उनसे संकट के समय रक्षा करने का वरदान लेती हो परन्तु यह वास्तव में हर रिश्ते को पवित्रता की डोर में बांधकर रक्षा के संकल्प का पर्व है। भाई बहन ही नही, पति पत्नी भी इस रक्षा सूत्र से बंधे है ऐसा शास्त्रों में उल्लेख मिलता है।

स्वर्गलोक के राजा इन्द्र की पत्नी शचि ने वैदिक मन्त्रों से अभिमन्त्रित रक्षा सूत्र अपने पति की भुजा पर बांधकर उनकी शत्रुओं से रक्षा की थी। तभी से प्रतिवर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा को रक्षाबन्धन का पर्व मनाया जाने लगा है। हालाकि अब यह पर्व भाई बहन का त्यौहार बन गया है और बहन ही अपने भाई की दीर्घायु की कामना व रक्षा की अपेक्षा के साथ भाई की कलाई पर राखी बांधती है और भाई अपनी बहन को शगुन देकर उसकी खुशहाली की कामना करता है। भविष्य पुराण के अनुसार रक्षाबन्धन की वास्तविक शुरूआत इन्द्र की पत्नी शचि द्वारा अपने पति को राखी बांधने से हुई थी।

रानी कर्णावती ने मुगल शासक हुमांयु को सकंट के समय राखी भेजकर उनसे अपनी रक्षा की याचना की थी। हुमायूं ने भी प्रेम और स्नेह की प्रतीक राखी के बधंन को निभाते हुए करणावती की रक्षा अपने प्राणों की बाजी लगाकर की थी। इसी तरह रूपनगर की राजकुमारी की राखी की लाज रखने के लिए महाराजा राजसिंह ने मुगल शासक औरंगजेब से लौहा लिया था। इसी दिन अनिष्ट शमन के लिए भगवान श्री कृष्ण का रक्षा बन्धन किया गया था ।यानि रक्षा बन्धन का पर्व भावनात्मक रिश्तों को मजबूत करने,भाई बहन में प्यार और विश्वास बढाने तथा एक दूसरे की रक्षा को वचनबद्ध रहने का पर्व है। वही इस पर्व को बुराई छोडने के सकंल्प दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

प्रजापिता ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय इस पर्व को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाता है। ब्रहमाकुमारी बहनें समाज के शीर्ष पदों पर विराजित महानुभावों से लेकर आमजन तक राखी पर्व का संदेश उन्हें राखी बांधकर देती हैं। वें राखी बांधने के बदले कोई उपहार या नगदी कभी ग्रहण नहीं करती हैं अपितु चाहती हैं कि जिस भाई को उन्होंने राखी बांधी है ,वह कम से कम अपने भीतर व्याप्त एक अवगुण का त्याग हमेंशा के लिए करें। तभी यह पर्व सार्थक माना जाता है। इस संस्था में रक्षाबंधन पर्व मनाने की शुरूआत 15 दिन पहले से ही हो जाती है और बाद तक चलती रहती है। ताकि समाज अवगुणों से मुक्त हो और एक स्वर्णिम सद्गुणी समाज की स्थापना हो सके। रक्षाबंधन यानी भाई बहन का त्यौहार। कहा जाता है कि भाई और बहन के रिश्ते से पवित्र दुनिया में कोई भी रिश्ता नहीं होता। इस दिन बहनें अपने भाईयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई जीवनभर उसकी रक्षा का प्रण लेता है। हालांकि सभी दिन परमपिता परमात्मा के बनाये हुए हैं जब परमात्मा की कृपा होती है तो सभी कार्य स्वतः ही सिद्ध होने लगते हैं। लेकिन फिर भी सनातन धर्म के अनुसार कुछ दिनों का महत्व अलग होता है, जिसे हम त्यौहार कहते हैं। जबकि परमात्मा की दृष्टि में सभी दिन एक जैसे ही होते हैं। उनमें विशेष कुछ है तो वह है शुभ और अशुभ लग्न। जिसे हम साधारण भाषा में शुभ व अशुभ समय भी कहते हैं। जिसके बारे में जानकारी प्राप्त कर सभी बहनें अपने भाईयों की कलाई पर शुभ समय में ही रक्षासूत्र को बांधने का प्रयास करे। यदि शुभ लग्न अनुसार रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाए तो अधिक फलदायी हो जाता है। हालांकि यह ऐसा पर्व है जिसे कभी भी और किसी भी समय व किसी भी दिन मनाया जा सकता है।इसी पर्व पर यथार्थ दर्शाती कविता की एक बानगी देखिए,

रक्षा बन्धन के लिए
बहन का होना जरूरी है
जिसके लिए कन्या भ्रूण
हत्या रोकना जरूरी है
वर्ना एक दिन
भाई ही भाई नज़र आएगें
बहनों को आप
किताबों में ही पढ पाएगें।

लव कुश जयंती : जानिए लव और कुश से जुड़े हर अनजाने राज

श्रावण मास की पूर्णिमा यानी रक्षा बंधन के दिन लव और कुश की जयंती भी मनाई जाती है। प्रभु श्रीराम के लव और कुश जुड़वा पुत्र थे। लव और कुश के वंश के लोग आज भी हैं, जो लव और कुश की जयंती मनाते हैं। आओ जानते हैं इनके बारे में अनजाने तत?थ।

वाल्मीकि रामायण: वाल्मीकि रामायण में प्रभु श्रीराम के पुत्र लव और कुश की गाथा कर वर्णन किया गया है।

लव और कुश का जन्म: लव और कुश का जन्म वाल्मीकि आश्रम में हुआ था। माता सीता अयोध्या के महल को छोड़कर आश्रम में रहती थीं। वाल्मीकि आश्रम में सीता ने लव और कुश नामक 2 जुड़वां बच्चों को जन्म दिया।

शिक्षा दीक्षा: लव और कुश की पढ़ाई-लिखाई से लेकर विभिन्न कलाओं में निपुण होने के पीछे महर्षि वाल्मीकि का ही हाथ था। उन्होंने ही दोनों राजकुमारों को हर तरह की शिक्षा और विद्या में परंगत किया।

वाल्मीकि ने पढ़ाई रामायण: महर्षि वाल्मीकि ने लव और कुश को रामायण भी पढ़ाई थी। कहते हैं कि लव और कुश को बहुत समय तक यह ज्ञात नहीं था कि उनके पिता प्रभु श्रीराम हैं।

अश्वमेध का घोड़ा: कहते हैं कि एक बार श्रीराम ने अश्वमेध यज्ञ किया और यज्ञ का श्वेत अश्व (घोड़ा) छोड़ दिया। घोड़ा जहां-जहां जाता था वहां के राजा अयोध्या की अधीनता स्वीकार कर लेते या युद्ध करके पराजित हो जाते थे। यह घोड़ा भटकते हुए जंगल में आ गया। वहां लव और कुश ने इसे पकड़ लिया। घोड़ा पकड़ने का अर्थ है अयोध्या के राजा को चुनौती देना।

5. श्रीराम से लड़ाई : राम को जब यह पता चला कि किन्हीं सुकुमारों ने घोड़ा पकड़ लिया तो पहले उसका आशय जानने के लिए दूत भेजे। जब यह पता चला कि लव और कुश घोड़ा छोड़ने को तैयार नहीं है और वे चुनौती दे रहे हैं तो श्रीराम के भाइयों भरत, शत्रुघ्न और लक्ष्मण के साथ लव-कुश का युद्ध हुआ लेकिन सभी भाई पराजित होकर लौट आए। यह देखकर श्रीराम को खुद ही युद्ध करने आना पड़ा लेकिन युद्ध का कोई परिणाम नहीं निकला। तब राम ने दोनों बालकों की योग्यता देखते हुए उन्हें यज्ञ में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

सीता की व्यथा का किया बखान: लड़ाई के बाद लव और कुश को यह पता चला कि श्रीराम तो उनके पिता हैं। फिर श्रीराम के निमंत्रण पर नगर में पहुंचकर लव और कुश ने श्रीराम की गाथा का गुणगाण किया और दरबार में उन्होंने माता सीता की व्यथा कथा गाकर सुनाई। यह सुन और देखकर प्रभु श्रीराम को ये पता चला गया कि लव और कुश उनके ही बेटे हैं। उन्हें तब बहुत दु:ख हुआ और वे सीता को पुन: राज महल ले आए।

लव और कुश का राज्याभिषेक : भरत के दो पुत्र थे- तार्क्ष और पुष्कर। लक्ष्मण के पुत्र- चित्रांगद और चन्द्रकेतु और शत्रुघ्न के पुत्र सुबाहु और शूरसेन थे। मथुरा का नाम पहले शूरसेन था। लव और कुश राम तथा सीता के जुड़वां बेटे थे। जब राम ने वानप्रस्थ लेने का निश्चय कर भरत का राज्याभिषेक करना चाहा तो भरत नहीं माने। अत- दक्षिण कोसल प्रदेश (छत्तीसगढ़) में कुश और उत्तर कोसल में लव का राज्य अभिषेक किया गया।

लव और कुश के राज्य: श्रीराम के काल में भी कोशल राज्य उत्तर कोशल और दक्षिण कोसल में विभाजित था। कालिदास के रघुवंश अनुसार राम ने अपने पुत्र लव को शरावती का और कुश को कुशावती का राज्य दिया था। शरावती को श्रावस्ती मानें तो निश्चय ही लव का राज्य उत्तर भारत में था और कुश का राज्य दक्षिण कोसल में। कुश की राजधानी कुशावती आज के बिलासपुर जिले में थी। कोसला को राम की माता कौशल्या की जन्मभूमि माना जाता है। रघुवंश के अनुसार कुश को अयोध्या जाने के लिए विंध्याचल को पार करना पड़ता था इससे भी सिद्ध होता है कि उनका राज्य दक्षिण कोसल में ही था।

लव और कुश के वंशज: राजा लव से राघव राजपूतों का जन्म हुआ जिनमें बर्गुजर, जयास और सिकरवारों का वंश चला। इसकी दूसरी शाखा थी सिसोदिया राजपूत वंश की जिनमें बैछला (बैसला) और गैहलोत (गुहिल) वंश के राजा हुए। कुश से कुशवाह (कछवाह) राजपूतों का वंश चला।

लव का लहौर : ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार लव ने लवपुरी नगर की स्थापना की थी, जो वर्तमान में पाकिस्तान स्थित शहर लाहौर है। यहां के एक किले में लव का एक मंदिर भी बना हुआ है। लवपुरी को बाद में लौहपुरी कहा जाने लगा। दक्षिण-पूर्व एशियाई देश लाओस, थाई नगर लोबपुरी, दोनों ही उनके नाम पर रखे गए स्थान हैं।

भाई की राशि के अनुसार बांधें राखी

रक्षा बंधन का त्योहार भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक होता है। इस दिन हर बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उससे अपनी रक्षा का वचन लेती है। ऐसे में अगर हर बहन अपने भाई की राशि के अनुसार राखी बांधेगी तो जीवन में उसे हर काम में तरक्की मिलेगी और सफलता मिलेगा। तो आइए जानते हैं राशि के अनुसार किस रंग की राखी बांधनी चाहिए।

मेष : इस राशि के जातकों के लिए शुभ रंग लाल और पीला होता है। बहनों को लाल या पीले रंग का धागा भाई की कलाई में बांधनी चाहिए। इससे उनके जीवन में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

वृष : इनका लकी कलर सफेद और नीला होता है। भाइयों को इन रंगों की ही राखियां बांधें। ऐसा करने से उनके सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी।

मिथुन : इन लोगों के लिए हरा और सफेद रंग भाग्यशाली होता है। इनके लिए हरे रंग की राखी अच्छी रहेगी। यह उनके लिए सफलता लाएगा।

कर्क : इन जातकों का लकी कलर पीला, हरा और सफेद होता है। रक्षाबंधन के दिन बहनों को अपने भाइयों को इस रंग के धागे या राखी बांधनी चाहिए। इससे जीवन में सुख प्राप्त होगा।

सिंह : इनका शुभ रंग गुलाबी, हरा और पीला है। ये रंग इन राशि वालों के उग्र स्वभाव को नियंत्रित करते हैं। ऐसे में बहनों को इन रंगों की राखियां बांधनी चाहिए।

कन्या : ऐसे जातकों के लिए हरा, पीला और सफेद रंग सर्वोत्म रहता है। रक्षाबंधन पर इन रंगों का धागा बांधना अच्छा रहेगा। हरे रंग की राखी ग्रह दोष को दूर करेगा।

तुला : सफेद, हरा और नीला रंग इस राशि के लोगों के लिए सही होता है। इस राशि के लोगों के लिए सफेद और नीले रंग की राखी बहुत अच्छी रहेगी।

वृश्चिक: लाल, पीला, नीला, गहरा लाल या मैरून रंग वृश्चिक राशि के जातकों के लिए प्रभावशाली होता है। बहनें इन रंगों की राखियां अपने भाइयों को बांधे तो उत्तम होगा।

धनु : इन लोगों के लिए हरा, लाल और पीला रंग लकी कलर होता है। इस बार रक्षाबंधन पर इस रंग का धागा या राखी बांधें।

मकर : इन लोगों को सफेद, लाल और हल्का नीला या आसमानी रंग के राखी बांधा जाए तो उनके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होगा।

कुंभ: इन लोगों के लिए सफेद, लाल और नीला रंग शुभता का प्रतीक होता है। ऐसे जातकों को इन रंगों के धागे बांधें।

मीन : पीला, सफेद और हरा मीन राशि के लोगों के व्यक्तित्व में निखार लाता है, उनके लिए शुभ होता है। बहनें उनको इन रंगों का धागा बांध सकती हैं!

गूगल के डेटा सेंटर में हुआ बड़ा धमाका, इमारत में लगी आग, झुलसे तीन कर्मचारी

वाशिंगटन। सर्च इंजन गूगल के अमेरिका स्थित काउंसिल ब्लफ्स डेटा सेंटर में बड़ा धमाका हुआ है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, ये धमाका शॉर्ट सर्किट की वजह से हुआ है। इस हादसे में गूगल के तीन कर्मचारी की गंभीर रूप से घायल हो गए है। घायलों का इलाज अस्पताल में कराया जा रहा है। काउंसिल ब्लफ्स पुलिस विभाग ने बताया कि घटना सोमवार को सुबह 11:59 पर हुई। धमाके वाली इमारत में तीन कर्मचारी काम कर रहे थे, तभी अचानक इलेक्ट्रिक विस्फोट हो गया जिससे तीनों कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के लिए बता दें कि इस तरह के डेटा सेंटर में गूगल अपना डेटा बड़ी ड्राइव्स और कंप्यूटर में स्टोर करके रखता है। इसमें कूलिंग से लेकर नेटवर्क सुविधाएं और कई तरह के सॉफ्टवेयर का एक बड़ा सा सीक्रेट कैंपस गूगल डेटा सेंटर की तरह दिखाई देता है। ऐसे डेटा सेंटर दुनियाभर में कई जगहों पर गूगल ने बनाए हुए हैं। एशिया की बात की जाए तो भारत के मुंबई में गूगल का एक डेटा सेंटर बना हुआ है।

ताइपे में ज्यादा चाइनीज रेस्तरां इसलिए ताइवान हमारा, चीनी प्रवक्ता के ट्वीट का उड़ा मजाक

बीजिंग । ताइवान पर चीन अपना हक जताने के लिए नए-नए प्रोपोगंडा करता रहता है। अब चीन के विदेश मंत्रालय की एक वरिष्ठ प्रवक्ता के अजीबोगरीब ट्वीट के बाद उनका ऑनलाइन मजाक उड़ना शुरू हो गया। चीनी प्रवक्ता ने ताइवान पर बीजिंग के दावे को जायज ठहराने के लिए रेस्तरां लिस्टिंग का इस्तेमाल किया। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने रविवार देर रात सोशल मीडिया साइट पर पोस्ट किया कि 'बायदू मैप्स से पता चलता है कि ताइपे में 38 शेडोंग डंपलिंग रेस्तरां और 67 शांक्सी नूडल रेस्तरां हैं।' उन्होंने कहा कि 'जीभ धोखा नहीं देती। ताइवान हमेशा से चीन का हिस्सा रहा है। लंबे समय से खोया हुआ बच्चा आखिरकार घर लौट आएगा।' एक खबर के मुताबिक रविवार को हुआ चुनयिंग का ये ट्वीट उल्टा पड़ गया, क्योंकि ट्विटर पर हजारों यूजर्स उनके तर्क का जमकर मजाक उड़ाया। चीन में ट्विटर प्रतिबंधित है और केवल विशेष वीपीएन सॉफ्टवेयर के माध्यम से सुलभ है। एक ट्विटर यूजर ने हुआ के जवाब में लिखा, 'ताइपे में 100 से अधिक रेमन रेस्तरां हैं, इसलिए ताइवान निश्चित रूप से जापान का हिस्सा है।' हुआ के ट्वीट की पैरोडी में एक यूजर ने लिखा कि 'गूगल मैप्स दिखाता है कि बीजिंग में 17 मैकडॉनल्ड्स, 18 केएफसी, 19 बर्गर किंग्स और 19 स्टारबक्स हैं। जीभ धोखा नहीं देती। चीन हमेशा अमेरिका का हिस्सा रहा है। लंबे समय से खोया हुआ बच्चा आखिरकार घर लौट आएगा।' टेरी एडम्स नाम से ट्वीट करने वाले एक व्यक्ति ने लिखा कि 'ग्रेटर लॉस एंजिल्स क्षेत्र में 89 नूडल रेस्तरां और 29 डंपलिंग हाउस हैं। हुआ के तर्क से तो लॉस एंजिल्स हमेशा चीन का हिस्सा रहा है।' अमेरिकी हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा पर के बाद चीन के बड़े सैन्य अभ्यास के बाद हुआ चुनयिंग का ये ट्वीट आया है। बीजिंग ताइवान को चीन का हिस्सा होने का दावा लगातार करता रहा है। लेकिन इस तरह का तर्क किसी ने पहली बार पेश किया है। पेलोसी के दौरे के बाद चीनी सरकार ने अमेरिका के साथ वार्ता और सहयोग समझौतों की एक श्रृंखला को रद्द करके ताइवान के आसपास लड़ाकू जेट, युद्धपोत और बैलिस्टिक मिसाइलों को तैनात करके पेलोसी की यात्रा का जवाब दिया है।

क्रीमिया में 'रूसी एयर बेस' पर हुआ भीषण विस्फोट, एक की मौत, रनवे पर लगी आग

कीव। क्रीमिया में रूसी वायु सेना के एक अड्डे पर मंगलवार को हुए कई शक्तिशाली विस्फोटों में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने हालांकि काला सागर में साकी अड्डे पर गोलाबारी की बात से इनकार कर दिया और कहा कि वहां पर युद्ध संबंधी सामग्री को नष्ट किया गया है। वहीं, यूक्रेन में 'सोशल नेटवर्क' पर ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि यूक्रेन द्वारा दागी गई लंबी दूरी की मिसाइल के कारण विस्फोट हुए। 'सोशल नेटवर्क' पर साझा किए गए वीडियो में विस्फोटों से बना धुएं का विशाल गुबार नजर आ रहा है।'क्रीमिया टूडे न्यूज' ने टेलीग्राम पर बताया कि चश्मदीदों के अनुसार रनवे पर आग लग गई और दर्जनों धमाकों की वजह से आस-पास के मकानों को भी नुकसान पहुंचा है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' ने मंत्रालय के अज्ञात सूत्रों के हवाले से बताया कि प्रारंभिक जांच में ''सुरक्षा उपायों के उल्लंघन'' के कारण विस्फोट होने की बात सामने आई है। मंत्रालय के अनुसार कोई लड़ाकू विमान क्षतिग्रस्त नहीं हुआ है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने फेसबुक पर व्यंग्यात्मक रूप से कहा, ''यूक्रेन का रक्षा मंत्रालय आग के कारण का पता नहीं लगा पा रहा है, लेकिन यह एक बार फिर अग्नि सुरक्षा के नियमों और अनिर्दिष्ट स्थानों में धूम्रपान निषेध होने के नियमों की ओर ध्यान खींचता है।'' यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सलाहकार ओलेक्सी एरेस्तोविच ने एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में रहस्यमय ढंग से कहा कि विस्फोट या तो यूक्रेन के लंबी दूरी के हथियार के कारण हुए या यह क्रीमिया में सक्रिय कट्टरपंथियों का काम है। गौरतलब है कि इस साल फरवरी में रूस ने यूक्रेन में अपनी सैन्य कार्रवाई शुरू की थी और अगर वास्तव में यूक्रेन द्वारा यह हमला किया गया है, तो यह उसका क्रीमिया प्रायद्वीप में किसी रूसी सैन्य ठिकाने पर पहला बड़ा हमला होगा।

जापान में गहराया जनसंख्या का संकट, 1950 के बाद आबादी में सबसे बड़ी गिरावट

टोक्यो । जापान की जनसंख्या 1 जनवरी, 2022 तक कुल 125.93 मिलियन थी, जो 1950 में दर्ज आंकड़ों के बाद से सबसे बड़ी गिरावट है। यह नवीनतम सरकारी डेटा सामने आया। आंतरिक मामलों और संचार के मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों का हवाला देकर कहा कि मृत्यु जन्म से अधिक हो गई और कोरोना सीमा नियंत्रण विदेशियों के प्रवेश को प्रतिबंधित कर देता है, जापान की कुल आबादी गिरकर 125,927,902 हो गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 726,342 या 0.57 प्रतिशत कम है।

मंत्रालय के अनुसार, जापानी नागरिकों की संख्या 2021 में 619,140 से घटकर 123,223,561 हो गई, जिसमें जन्म का रिकॉर्ड लगभग 810,000 था, जो रिकॉर्ड उच्च स्तर पर लगभग 1.44 मिलियन मौतों से आगे था। महामारी के बीच कड़े सीमा प्रतिबंधों के कारण, जापान में निवासी विदेशियों की संख्या 107,202 से गिरकर 2,704,341 हो गई, जो लगातार दूसरे वर्ष गिरावट को दर्शाता है। मंत्रालय के आंकड़ों से यह भी पता चला है कि 15 से 64 वर्ष की आयु के लोगों का अनुपात, जिन्हें कामकाजी आबादी माना जाता है, कुल आबादी का रिकॉर्ड 58.99 प्रतिशत था, जबकि 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों का प्रतिशत 29 प्रतिशत है जो कि एक रिकॉर्ड है।

एस्टोनिया, फिनलैंड नहीं चाहते कि रूसी पर्यटक यूरोप की यात्रा पर आएं

कोपेनहेगन। एस्टोनिया और फिनलैंड के नेता चाहते हैं कि सभी यूरोपीय देश रूसी नागरिकों को पर्यटक वीजा जारी करना बंद कर दें। उनका कहना है कि यूक्रेन में रूस की सरकार द्वारा युद्ध किये जाने की स्थिति में वहां के नागरिकों को यूरोप में छुट्टी बिताने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। एस्टोनियाई प्रधानमंत्री काजा कल्लास ने मंगलवार को ट्वीट किया, ''यूरोप की यात्रा करना विशेषाधिकार है, कोई मानवीय अधिकार नहीं।अब रूस के पर्यटकों पर रोक लगाने का समय है।'' इससे एक दिन पहले फिनलैंड की प्रधानमंत्री साना मारिन ने देश के प्रसारणकर्ता वाईएलई पर कहा था, ''यह सही नहीं है कि जब रूस यूरोप में आक्रामक युद्ध कर रहा है, ऐसे में रूस के लोग यूरोप में सामान्य तरीके से रहें, घूमें, चाहें पर्यटक हों।'' एस्टोनिया और फिनलैंड दोनों की सीमाएं रूस से लगती हैं और दोनों यूरोपीय संघ के सदस्य हैं। यूक्रेन पर हमले के बाद यूरोपीय संघ ने रूस से हवाई यात्राओं को प्रतिबंधित कर दिया था। लेकिन रूस के लोग सड़क मार्ग से दोनों देशों में आ सकते हैं और यहां आकर अन्य यूरोपीय देशों की हवाई यात्रा कर सकते हैं।

इराक और लेबनान में शिया मुसलमानों ने यौम-ए-आशूरा मनाया

बगदाद। इराक और लेबनान में शिया मुसलमानों ने मंगलवार को यौम-ए-आशूरा मनाया। इस्लामी कैलेंडर के मोहर्रम महीने के दसवें दिन मनाए जाने वाले यौम-ए-आशूरा पर सातवीं सदी में हुई पैगंबर मोहम्मद के नाती इमाम हुसैन की शहादत को याद किया जाता है। माना जाता है कि 680 ईसवी में दक्षिण बगदाद के करबला में हुई लड़ाई के दौरान हुसैन शहीद हो गए थे, लिहाजा यौम-ए-आशूरा पर बड़ी संख्या में शिया मुसलमान करबला में जुटते हैं और मातम मनाते है। शिया समुदाय के लोग हुसैन और उनके वंशजों को पैगंबर के असली वारिस के रूप में देखते हैं।

लेबनान में हिज्बुल्ला समर्थक रैली निकालते हुए।

ऑस्ट्रेलिया ताइवान को लेकर सावधानी बरते: चीनी राजदूत

कैनबरा । चीनी राजदूत ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में हाल में हुआ सत्ता परिवर्तन चीन के साथ खराब रिश्तों में 'पुनर्निर्धारित' करने का एक मौका था, लेकिन नए प्रशासन को ताइवान के मामले पर सावधानी बरतनी चाहिए। ऑस्ट्रेलिया में चीन के राजदूत शियाओ कियान ने कहा कि उन्हें इसकी हैरत हुई कि ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका और जापान के साथ मिलकर बयान पर हस्ताक्षर किए, जिसमें अमेरिकी प्रतिनिधिसभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की पिछले हफ्ते ताइवान की यात्रा की प्रतिक्रिया में चीन की ओर से जापान के जल क्षेत्र में मिसाइलें दागने की निंदा की गई है।

शियाओ ने कहा, हमें उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलियाई पक्ष चीन-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को गंभीरता से ले सकता है। एक चीन सिद्धांत को गंभीरता से ले और ताइवान मसले पर सावधानी बरते। उन्होंने नहीं बताया कि ताइवान के पास चीन का सैन्य अभ्यास कब खत्म होगा, मगर कहा कि इसकी घोषणा उचित समय पर होगी। चीन ताइवान का शांतिपूर्ण तरीके से एकीकरण करना चाहता है लेकिन शियाओ ने ताकत के इस्तेमाल से भी इनकार नहीं किया। राजदूत ने कहा, हम कभी भी अन्य साधनों के इस्तेमाल को खारिज नहीं कर सकते हैं। जब जरूरी होगा और जब मजबूरी होगी, तब हम सभी जरूरी साधन इस्तेमाल करने के लिए तैयार हैं।

ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री बनने के लिए केजरीवाल मॉडल अपना रहे ऋषि सुनक, जनता से कर डाला ये वादा

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन में इस समय नये प्रधानमंत्री के पद को लेकर सियासी घमासान काफी तेज है। बोरिस जॉनसन की जगह लेने वाले ब्रिटेन में सत्तारूढ़ 'कंजर्वेटिव पार्टी' के नए नेता और नए प्रधानमंत्री के नाम की घोषणा पांच सितंबर को की जाएगी। इस बीच प्रधानमंत्री पद के लिए ब्रिटेन के भारतीय मूल के पूर्व कैबिनेट मंत्री ऋषि सुनक और विदेश मंत्री लिज ट्रस कंजर्वेटिव पार्टी में बोरिस जॉनसन की जगह लेने की दौड़ में मुख्य दावेदार हैं। प्रधानमंत्री बनने के लिए ब्रिटेन के पूर्व वित्त मंत्री ऋषि सुनक ने मंगलवार को ऐसा वादा किया है जिसे सुनकर आपको शायद भारत के दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याद आ ही जाएगी। जी हां, सुनक ने वादा करते हुए कहा कि अगर वह देश के प्रधानमंत्री चुने गए तो वह घरों के बढ़ते बिजली बिलों से निपटने में लोगों की मदद करेंगे और इसके लिए वह अधिक पैसों की मदद देंगे। 42 साल के कंजर्वेटिव पार्टी के नेता सुनक ने लोगों को आर्थिक मदद के लिए लोन की सीमित करके बचत करने पर भी जोर दिया।

सीएम केजरीवाल की आ गई याद

जी हां, सुनक के इन वादों को सुनकर आपको दिल्ली के सीएम केजरीवाल की याद आ गई होगी। अपने चुनाव प्रचार में केजरीवाल ने भी कुछ ऐसा ही वादा किया था। चुनावों से पहले ऐसे वादे करना उनके लिए काफी मददगार साबित हुआ था। केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के इस फ्री फॉर्मले से पंजाब में भी बड़ी जीत हासिल हुई थी। फ्री बिजली के वादे को आगे कर उन्होंने पंजाब में आप पार्टी की सरकार बनाई और बड़े अंतर से जीत हासिल की थी।

ब्रिटेन में बिजली के क्षेत्र में काम कर रही संस्था कॉनवैल इनसाइट ने बताया कि ब्रिटेन में जिस तरह से बिजली की दरें बढ़ रही उससे आने वाले सर्दियों में अनुमान से अधिक बिजली आने की आशंका हैं। सुनक ने कहा, 'मेरे दिमाग में कोई संदेह नहीं है कि और अधिक समर्थन की जरूरत होगी।' बता दें कि ब्रिटेन के पीएम चुनाव में बिजली बिल एक प्रमुख मुद्दा बना हुआ है। कई चरणों में हो रहे चुनाव में सुनक की प्रतिद्वंद्वी विदेश मंत्री लिज ट्रस आगे चल रही हैं।

ड्रैगन की गीदड़ भभकी, ताइवान को मिलने के लिए सैन्य बल के इस्तेमाल का विकल्प खुला

बीजिंग (एजेंसी)।

ताइवान सीमा पर आक्रामक युद्धाभ्यास करने के एक सप्ताह बाद भी चीन अपनी गीदड़ भभकी से बाज नहीं आ रहा है। ड्रैगन ने फिर धमकी देकर कहा है कि चीन ताइवान को मिलाने के लिए सैन्य बल के इस्तेमाल का विकल्प भी खुला रखा है। चीनी सैन्य अभ्यास के बाद दोनों के बीच उच्चतम स्तर का तनाव बरकरार है। गौरतलब है कि अमेरिकी सीनेट की स्पीकर नैंसी पेलोसी का ताइवान यात्रा के बाद चीन ने खुले तौर पर धमकी देकर आक्रामक युद्धाभ्यास किया था। चीन ने लाइव मिसाइल फायरिंग की और उसके युद्धक जहाजों और लड़ाकू विमानों ने ताइवान के जल और नभ में घुसपैठ किया था। चीन का बयान ताइवान मामलों पर कैबिनेट कार्यालय और उसके समाचार विभाग द्वारा जारी किया गया है। बयान में कहा गया है कि बीजिंग ताइवान के साथ शांतिपूर्ण एकीकरण चाहता है, लेकिन सैन्य बल के उपयोग को छोड़ने की वह प्रतिज्ञा नहीं करता है। चीन ने कहा कि वह ताइवान को मिलाने के लिए अपने सभी आवश्यक विकल्पों को बरकरार रखता है। ताइवान को लक्ष्य कर चीन के हालिया सैन्य अभ्यास के कारण सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में से एक में बाधा उत्पन्न हो गया था और हवाई सेवा भी प्रभावित हुई थी। इससे वैश्विक सप्लाई चेन को भी नुकसान पहुंचा था। अमेरिका, जापान सहित कई देशों ने चीन की इस कार्रवाई की निंदा की थी। लेकिन चीन अपनी धमकी से बाज नहीं आ रहा है। चीन ने इसके जवाब में कहा कि वह अमेरिका, ताइवान के चीफ मिलिट्री और राजनीतिक समर्थक के साथ समुद्री सुरक्षा से लेकर जलवायु परिवर्तन तक के मुद्दों पर बातचीत को स्थगित कर दिया है।

चीन में मिला जानवरों से इंसानों में फैलने वाला लांग्या वायरस, क्या कोरोना की तरह मचाएगा तबाही, अब तक 35 लोग संक्रमित

बीजिंग । (एजेंसी)।

कोरोना महामारी से पूरी दुनिया में हाहाकार मचाने वाले देश चीन का इस समय बहुत बुरा हाल हो रखा है। बढ़ते कोरोना के मामलों से चीन के कई शहरों में लॉकडाउन लगा दिया गया है। इसी बीच अब ताइवान के रोग नियंत्रण केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, चीन में नया वायरस का आगमन हो चुका है।

इस वायरस का नाम लैंग्या वायरस है और इसके चीन में अब तक 35 मामले आ चुके हैं। मंगलवार को आधिकारिक चीनी मीडिया के अनुसार, हेनिपावायरस, जिसे आमतौर पर 'लैंग्या' हेनिपावायरस (एलवाईवी) के रूप में जाना जाता है, ने पूर्वी चीन के हेनान और शेडोंग प्रांतों में 30 से ज्यादा लोगों को संक्रमित कर दिया है। वहीं ताइपे टाइम्स ने कहा कि इस वायरस का जानवरों से मनुष्यों में फैलने में संभावना है और गुर्दे और लीवर भी फैल कर सकता है। मिडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके सामान्य लक्षण

बुखार, खांसी, भूख न लगना, और बॉडी पेन है।

लंग्या वायरस क्या है?

ये हेनिपावायरस का एक नया प्रकार है, जिसे लांग्या वायरस भी कहा जाता है। ये वायरस जानवरों और मनुष्यों में गंभीर बीमारी का कारण बन सकते हैं। अभी तक इस वायरस की कोई भी दवाई या वैक्सीन नहीं है। द-न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन में फाइलोजेनेटिक रूप से अलग हेनिपावायरस मिला है। ये एक जूनोटिक (जानवरों से इंसानों में फैलने वाला) हेनिपावायरस है।

पाक सेना में विद्रोह 'भड़काने' के आरोप में इमरान के करीबी शहबाज गिल गिरफ्तार

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेहद करीबी माने जाने वाले शहबाज गिल को राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। पाकिस्तान के गृहमंत्री राना सनाउल्ला ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि की है। पाकिस्तानी पुलिस ने पूर्व गृहमंत्री शेख रशीद को भी पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह किसी तरह फरार होने में कामयाब हो गए। पाकिस्तानी सेना के इशारे पर किए गए पुलिस के इस ऐक्शन से इमरान खान और उनकी बेगम पर भी गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। इस बीच शेख रशीद ने धमकी दी है कि अगर इमरान खान को अरेस्?ट करने या उनकी पार्टी पीटीआई को तोड़ने की कोशिश की गई तो इससे देश में 'खूनी राजनीति' शुरू हो जाएगी।

ताजा विवाद की शुरुआत उस समय हुई जब शहबाज गिल ने इमरान खान के करीबी टीवी चैनल एआरवाई पर सेना के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली और फौजियों से कहा कि वे सेना प्रमुख के आदेश को नहीं मानें। इसके बाद पाकिस्तानी सेना ऐक्शन में आ गई। पुलिस ने शहबाज गिल को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी को लेकर इमरान खान ने

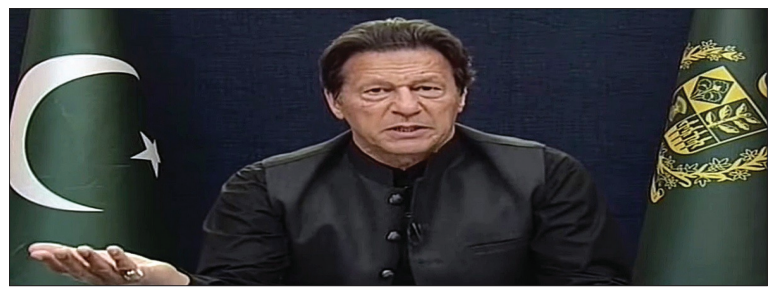

पार्टी की आपात बैठक बुलाई है। इमरान सरकार में मंत्री रहे फवाद चौधरी ने एक ट्वीट में कहा बनी गाला चौक से बिना नंबर प्लेट के वाहनों में आए लोगों ने शहबाज गिल को अगवा कर लिया। शहबाज गिल इमरान खान के करीबी माने जाते हैं और उनके कहने पर मीडिया में अपनी बात रखते हैं। बनी गाला चौक इमरान खान के बनी गाला आवास से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

एक अन्य पीटीआई नेता मुराद सईद ने भी उनकी गिरफ्तारी की सूचना दी और कहा कि उनकी कार के शीशे टूट गए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि गिल के एक सहायक को पीटा भी गया था। पीटीआई के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से साझा किए गए एक वीडियो में टूटे शीशे दिखाई दे रहे हैं। पाकिस्तान के गृहमंत्री राना सनाउल्ला ने कहा कि शहबाज गिल ने एक साजिश के तहत सेना में फूट डालने की कोशिश की। इसी आधार पर उन्हें देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

इस बीच शहबाज गिल को मंच देने वाले इमरान खान के करीबी टेलीविजन चैनल एआरवाई को सेना के इशारे पर निलंबित कर दिया गया है। शहबाज सरकार के इस कदम की आलोचकों ने देश में मीडिया की स्वतंत्रता को दबाने के लिए एक अवैध कदम के रूप में निंदा की है। निजी पाकिस्तानी केबल ऑपरेटरों को पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेगुलेटरी अथॉरिटी (पीईएमआरए) द्वारा एआरवाई न्यूज के प्रसारण को तुरंत 'अगली सूचना तक' के प्रसारण को रोकने का आदेश दिया गया है।

संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा मिशन : ये कैसे काम करते हैं और क्या चुनौतियां हैं

गाजा सिटी। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र के शांतिरक्षा अभियानों का उद्देश्य संघर्ष प्रभावित देशों में सतत सुरक्षा और शांति स्थापित करना है लेकिन इसके लिए उन्हें जटिल अंतरराष्ट्रीय राजनीति, संसाधनों और अपने अभियान के प्रबंधन की चुनौतियों से भी जूझना पड़ता है। शीत युद्ध के बाद से संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा अभियानों को युद्ध को जल्द खत्म करने, नागरिकों की रक्षा करने तथा दीर्घकालीन शांति एवं सुरक्षा को समर्थन देने के उद्देश्य से तैयार किया गया। इसके लिए शांति समझौतों को लागू करने में सैन्य कार्रवाई और कूटनीति की आवश्यकता होती है। बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षा अभियानों के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग कम हो रहा है और अंतरराष्ट्रीय तनाव जैसी चुनौतियां बढ़ रही हैं।

हाल के हफ्तों में कांगो गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षकों के खिलाफ प्रदर्शनों में हिंसा भड़क उठी और कई लोगों को जान गंवानी पड़ी। शांति रक्षा अभियानों के 1991 से 2011 के बीच के अनुभव दिखाते हैं कि सफलता के लिए उन्हें युद्ध से देशों में पैदा हो रहे व्यापक मुद्दों से निपटने की आवश्यकता होती है। इन मुद्दों में पुलिस, न्याय और सशस्त्र समूहों का निरस्त्रीकरण शामिल है ताकि संघर्ष के बाद वैध और स्थायी सरकार बनायी जा सके, शरणार्थी लौट सकें, महिलाओं को सुरक्षा दी जाए और सशक्त बनाया जा सके तथा रोजगारों का सृजन किया जा सकें।

किसी देश में शांतिरक्षकों को भेजने का फैसला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद करती है और फिर संयुक्त राष्ट्र सचिवालय पर इस अभियान के लिए विस्तारपूर्वक रणनीति बनाने तथा उसे लागू करने की जिम्मेदारी होती है। वे आम तौर पर अभियान के लिए हजारों कर्मियों को भेजते हैं। संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों से सैन्य तथा पुलिस कर्मियों के रूप में योगदान देने का अनुरोध किया जाता है, जिसके लिए उन्हें संयुक्त राष्ट्र निधि से वेतन दिया जाता है। यह कई विकासशील देशों की सशस्त्र सेनाओं के लिए आय का प्रमुख स्रोत है। अमेरिका, ब्रिटेन या फ्रांस जैसे अन्य देश अपनी अलग सशस्त्र सेनाएं भी भेज सकते हैं। ये बल संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यों का समर्थन करते हैं। संगठनात्मक चुनौतियां = संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय तथा स्थानीय एजेंसियों ने प्रत्येक मिशन के मुद्दों से निपटने के लिए कई कार्यक्रम बनाए हैं। इसी तरह राष्ट्र सरकारों और अंतरराष्ट्रीय गैर लाभकारी संगठनों (एनजीओ) ने अपने कार्यक्रम बनाए हैं। इसमें सैकड़ों संगठन संयुक्त राष्ट्र मिशनों में योगदान देने के लिए हजारों कर्मियों और स्थानीय कर्मियों को जोड़ सकते हैं लेकिन अपनी प्राथमिकताओं के आधार पर। यह कोई हैरानी की बात नहीं है कि संयुक्त राष्ट्र का इस जटिल शांति रक्षा प्रक्रिया का समन्वय एक वास्तविकता से ज्यादा एक आकांक्षा है।

प्रत्येक मिशन की अगुवाई करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के एक उच्च प्रतिनिधि को नियुक्त किया जाता है। ऐसी कई घटनाएं हुई हैं जब संयुक्त राष्ट्र मिशन भ्रष्टाचार पर ज्यादा कुछ करते दिखायी नहीं दिए। अन्य मामलों में संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षकों ने हिंसा से नागरिकों की रक्षा के लिए कदम नहीं उठाया जैसे कि दक्षिण सूडान। संयुक्त राष्ट्र के कर्मियों का अपने पदों का दुरुपयोग करते हुए यौन शोषण की घटनाओं से भी नाता रहा है।

संयुक्त राष्ट्र सचिवालय के लिए पर्याप्त अधिकार न होने के कारण इन समस्याओं से निपटना मुश्किल है। समर्थन कम होना = संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग 2011 के बाद से कम हो गया है। भारत और चीन जैसे कुछ प्रभावशाली देश संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा अभियानों के वृहद रुख को लेकर उदासीन हैं। पश्चिमी देशों से भी पूरा सहयोग नहीं मिल रहा है खासतौर से ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका की नीति तथा वित्त पोषण में बदलाव आने के बाद से।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

दिल्ली के एक सिख ग्रंथी से अमेरिका में 'कीर्तन' कराने के बहाने ठगी

नई दिल्ली। दिल्ली में एक गुरुद्वारे के प्रमुख सिख ग्रंथी से अमेरिका में कीर्तन का मौका देने के बहाने कथित तौर पर एक लाख रुपये से अधिक की ठगी का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने 51 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान मध्य प्रदेश के इंदौर के निवासी संजय यादव के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि आरोपी पहले दिल्ली और मुंबई में धोखाधड़ी के दो मामलों में शामिल था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दिल्ली के एक गुरुद्वारे के प्रमुख 'ग्रंथी' बलदेव सिंह की ओर से शिकायत मिली थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि एक व्यक्ति ने उन्हें अमेरिका के विभिन्न शहरों में शादियों और अन्य सांस्कृतिक अवसरों पर 'कीर्तन' का मौका देने के लिए व्हाट्सऐप पर संपर्क किया था। सिख ग्रंथी ने आरोपी द्वारा दिए गए बैंक अकाउंट नंबर पर 1.25 लाख रुपये भेजे थे। पुलिस ने कहा कि शिकायतकर्ता को वीजा शुल्क और मुद्रा विनिमय के नाम पर भी ठगा गया था। कॉल डिटेल और पैसे के लेन-देन के तकनीकी विश्लेषण के दौरान पता चला कि आरोपी इंदौर के विभिन्न स्थानों से काम कर रहा था। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) सागर सिंह कलसी ने कहा कि इंदौर में छापेमारी की गई और यादव को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। डीसीपी ने कहा कि यादव ने पीड़ित से संपर्क करने और रकम के ट्रांसफर के लिए अपने बेटे के सिम कार्ड और बैंक खातों का इस्तेमाल किया। उन्होंने बताया कि उसके पास से 10 मोबाइल फोन, 11 डेबिट कार्ड और एक आधार कार्ड बरामद किया गया है।

यूपी पुलिस बनीं सुपर कॉप्स!! 12 साल की बच्ची से दरिंदगी करने वाला 28 साल बाद हुआ गिरफ्तार

शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर बलात्कार करने के 28 साल बाद एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इसी मामले में आरोपी के भाई को गिरफ्तार किए जाने के एक हफ्ते बाद यह गिरफ्तारी हुई है। पुलिस अधीक्षक एस आनंद ने बताया कि 28 वर्ष पूर्व 12 वर्षीय किशोरी के साथ हुये कथित दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने इसी साल एक अगस्त को आरोपी गुड्डू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। उन्होंने बताया कि इसी मामले में शामिल गुड्डू के सगे भाई और दूसरे आरोपी नकी हसन को भी रेलवे स्टेशन के बाहर से बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि थाना सदर बाजार के अंतर्गत रहने वाली 12 वर्ष की किशोरी अपनी बहन के घर में रहती थी, बहनोई वन विभाग में नौकरी करते थे तथा बहन प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने जाती थी। उन्होंने बताया कि ऐसे में घर में पीड़िता अकेली रह जाती थी, 1994में मामूडी मोहल्ले में रहने वाला दबंग नकी हसन उसके घर में घुस गया और पीड़िता को डरा धमका कर उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि घटना के दूसरे दिन नकी हसन का भाई गुड्डू भी पीड़िता के घर में घुस आया और उसने भी पीड़िता के साथ कथित बलात्कार किया।

केंद्र की राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों से आग्रह, लोगों को अपने घरों में तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित करे

नई दिल्ली । केंद्र की मोदी सरकार ने राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों से आग्रह किया कि वे राष्ट्रीय नायकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए हर घर तिरंगा अभियान के तहत स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लोगों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज लगाने के लिए प्रोत्साहित करें। प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात कार्यक्रम में बताया था कि भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम के तहत 13 से 15 अगस्त के बीच एक विशेष अभियान 'हर घर तिरंगा' का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने अभियान के दौरान लोगों से अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज लगाने का आग्रह किया था।
केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यों को बताया कि लोगों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज लगाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू किया गया है। इस कदम का मकसद लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना उत्पन्न करना और राष्ट्र निर्माण के लिए अथक प्रयास करने वालों के योगदान को याद करना है। गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे पत्र में कहा, सभी नागरिकों को 13 से 15 अगस्त के बीच अपने घरों में तिरंगा लगाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रीय नायकों का आभार व्यक्त करने के लिए स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों की छत पर राष्ट्रीय ध्वज लगाने के लिए नागरिकों को प्रोत्साहित किए जाने का प्रयास किया जाना चाहिए।''

कर्नाटक सरकार ने जापान की कंपनियों को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया

बेंगलुरु । कर्नाटक के बड़े एवं मध्यम उद्यम मंत्री मुरुगेश आर निरानी की अध्यक्षता में राज्य का प्रतिनिधिमंडल जापान के तीन दिवसीय दौरे पर गया। जहां उन्होंने कंपनियों को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया। प्रतिनिधिमंडल ने कर्नाटक में 2,3,4 नवंबर को होने वाले वैश्विक निवेशक सम्मेलन में शामिल होने के लिए जापान की कंपनियों को औपचारिक रूप से निमंत्रित किया। इस दल में शामिल औद्योगिक विकास आयुक्त गुंजन कृष्ण ने तोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में टोयोटा, सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन, मित्सुई, मरक्यूरी, जेटरो, हिताची, फुजित्सु लिमिटेड और एनईसी कॉरपोरेशन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। निरानी के कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया, औद्योगिक विभाग ने तुमाकुरु जिले में करीब 600 एकड़ भूखंड पर एक अलग 'जापानी टाउनशिप' बनाने का प्रस्ताव दिया है।''

राशनकार्ड धारकों को तिरंगा खरीदने के लिए मजबूर करना शर्मनाक: वरुण गांधी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद वरुण गांधी ने राशनकार्ड धारकों को तिरंगा खरीदने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तिरंगे की कीमत गरीब का निवाला छीन कर वसूलना शर्मनाक है। सद वरुण गांधी ने वीडियो साझा कर ट्वीट किया, आजादी की 75वीं वर्षगांठ का उत्सव गरीबों पर ही बोझ बन जाए तब यह दुर्भाग्यपूर्ण होगा। राशनकार्ड धारकों को तिरंगा खरीदने पर मजबूर किया जा रहा है या उसके बदले में उनके हिस्से का राशन काटा जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''हर भारतीय के हृदय में बसने वाले तिरंगे की कीमत गरीब का निवाला छीन कर वसूलना शर्मनाक है।'' वीडियो में कुछ राशनकार्ड धारकों को शिकायत करते हुए देखा जा रहा है कि उन्हें 20 रुपये में तिरंगा खरीदने को मजबूर किया जा रहा है। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ''हर घर तिरंगा'' अभियान के तहत देशवासियों से अपने घरों में 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच तिरंगा लगाने का आग्रह किया है।

90 साल की वृद्ध महिला को मिला न्याय, बहू और बेटे को घर खाली करने का आदेश

मुंबई । मुंबई की सत्र अदालत ने बेटे और बहू पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाने वाली 90 वर्षीय वृद्ध महिला के पक्ष में फैसला सुनाकर बहू और बेटे को घर खाली करने का आदेश दे दिया है। मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को बरकरार रखकर सेशन कोर्ट ने वृद्ध महिला के 60 वर्षीय बेटे और बहू को घर खाली करने का आदेश दिया है। अदालत में पीड़ित महिला का आरोप था कि उसके बेटे और बहू उसका मानसिक और भावनात्मक शोषण करते हैं। सेशन कोर्ट ने अपने फैसले में बताया कि महिला ने पूरी जिंदगी अपने घर में गुजारी है। महिला का अपने घर के प्रति लगाव है, इसके बाद महिला को घर से निकालना न्याय के विपरीत होगा। कोर्ट में पीड़िता ने कहा कि घर में 50 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद उसका बेटा, उसके दामाद और बेटी के साथ रहने का दबाव बना रहा है। कोर्ट में महिला की बहू ने मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती देकर कहा था कि एक महिला होने के नाते उस संयुक्त परिवार के घर से नहीं निकला जा सकता है। जिस पर कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि महिला होने का अर्थ यह नहीं कि उसे घरेलू उत्पीड़न एक्ट में अभूतपूर्व शक्तियां मिल जाती हैं। हालांकि जज ने स्पष्ट किया कि पति को अपनी पत्नी के लिए घर का इंतजाम करना चाहिए था। वृद्ध महिला ने कोर्ट में दाखिल अपनी याचिका में कहा कि वर्ष 2000 में पति की मौत के बाद से उसके बेटे और बहू उसका उत्पीड़न कर रहे हैं। दोनों ने मिलकर उसकी जिंदगी को नर्क कर दिया है। महिला ने कोर्ट को बताया कि जब उसने बेटे से घर में अपना हिस्सा मांगा, तब मारपीट शुरू कर दी। बीते सालों में महिला ने बहू और बेटे के खिलाफ मारपीट के 4 मुकदमे दर्ज कराए हैं। पीड़िता के अनुसार उसका बेटा दारू पीकर उसके साथ मारपीट करता है. एक दिन उसके बेटे ने शराब पीकर उसके साथ मारपीट कर जबरन प्रॉपर्टी को अपने नाम करना चाहा था। बेटे के क्रूर बर्ताव के बाद उसे अपने घर में जाने से डर लगता है।

गुजरात में भाजपा और कांग्रेस पर बरसे केजरीवाल, बोले- हम बिजली, रोजगार के मुद्दों को उठाते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गुजरात में विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारी जोरों पर हैं। साल के आखिरी में गुजरात में विधानसभा के चुनाव हो सकते हैं। पंजाब में मिली जीत के बाद आम आदमी पार्टी भी लगातार दूसरे राज्यों में अपने पैर पसारने की कोशिश कर रही है। गुजरात में भी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल लगातार दौरे कर रहै हैं। वहां लोगों से वह वादे कर रहे हैं। आज एक बार फिर से केजरीवाल गुजरात पहुंचे हैं। गुजरात पहुंचने पर उन्होंने कहा कि इस देश में 75वें स्वतंत्रता दिवस के बाद भी अगर लोग कहते हैं कि मुफ्त शिक्षा रेवड़ी है, तो गरीब कहां जाएगा... अपने दोस्त को 10 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ करना गुनाह है, वो है 'फ्री की रेवड़ी' है।

इसके साथ ही केजरीवाल ने भाजपा-कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा और कांग्रेस आती हैं और एक दूसरे के खिलाफ बोल कर चली जाती हैं। वह लोगों के कल्याण के बारे में कभी बात नहीं करती। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि हम कह रहे हैं कि हम सत्ता में आएंगे तो वो सब करेंगे जो दिल्ली में किया और पंजाब में कर रहे हैं। लेकिन भाजपा और कांग्रेस वाले ये नहीं करते। पहली बार लोगों को एक अच्छा विकल्प मिला है। गुजरात के महिलाओं को लेकर भी केजरीवाल ने बड़ा ऐलान किया है। गुजरात में केजरीवाल ने कहा है कि 18 साल से अधिक की सभी महिलाओं को उनकी सरकार बनने के बाद 1000 प्रति माह दिया जाएगा।

अहमदाबाद में केजरीवाल ने कहा कि हमने पहली गारंटी दी कि गुजरात में हमारी सरकार बनने के 3 महीने के अंदर बिजली मुफ्त करेंगे। आपके बकाया भी माफ कर देंगे और 24 घंटे बिजली देंगे। हमने दूसरी गारंटी दी कि हमारी सरकार बनने पर हम सभी के लिए 5 साल में रोजगार का इंतजाम करेंगे। केजरीवाल ने आगे कहा कि रोजगार मिलने तक युवाओं को 3000 रुपए बेरोजगारी भत्ता देंगे। हम 10 लाख सरकार नौकरियों का इंतजाम करेंगे। हम रेड बंद करेंगे और व्यापारियों को खुलेआम व्यापार करने की छूट देंगे। हमारी सरकार बनने के बाद 18 साल से ऊपर की हर महिला को हजार रुपए महीना दिया जाएगा।

योगी सरकार की सख्ती ने निकाली श्रीकांत त्यागी की गर्मी

नोएडा । नोएडा की एक सोसायटी में महिला के सामने अपनी ताकत और गुंडई का इजहार करने वाले गालीबाज श्रीकांत त्यागी का जोश अब ठंडा पड़ गया है। पुलिस गिरफ्त में आने के बाद उसकी पूरी हेकड़ी निकल गई है और शरीफों की तरह बातें करने लगा है। चार दिन बाद नोएडा पुलिस के हत्थे चढ़े श्रीकांत त्यागी ने कहा है कि उसे अपनी गलती का अहसास है और वह उस महिला से माफी मांगने को तैयार है। पीड़ित महिला को अब अपनी 'बहन' बता रहे त्यागी ने कहा है कि इस तरह की भाषा का इस्तेमाल किसी को किसी महिला के खिलाफ नहीं करनी चाहिए। त्यागी ने अपनी गलती मानी और कहा कि वह माफी मांगने को तैयार है। उसने कहा, 'समाज में महिलाओं को सम्मान की नजर से देखा जाता है। निश्चित तौर पर मुझसे गलती हुई। यह गलती मुझसे हुई तो अहसास हुई, मुझे लगता है कि इसके मुझे माफी मांगनी पड़े तो मैं अभी ऐसा करने को तैयार हूं। मैंने आवेश में आकर जो मैंने अभद्र तरीके से बोल दिया। मुझे भी अंदर ही अंदर अहसास हुआ कि किसी से इस तरह की भाषा का इस्तेमाल जीवन मे में किसी के लिए नहीं करना चाहिए। दरअसल, अब तक राजनीतिक धौंस दिखाकर लोगों को डराते-धमकाते आ रहे श्रीकांत को इस तरह अपने खिलाफ सख्ती का अनुमान नहीं था। जिस तरह योगी सरकार ने उसके खिलाफ बुलडोजर ऐक्शन का आदेश दिया और ईनाम घोषित करते हुए 12 टीमें लगा दीं, उसके बाद ना सिर्फ सरकार ने काफी हद तक डैमेज कंट्रोल किया बल्कि श्रीकांत भी 'गर्मी' निकल गई है। भाजपा यह संदेश देने में भी कामयाब रही है कि उसका बुलडोजर सबके खिलाफ गरजता है।

21 अगस्त से कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव राहुल गांधी उम्मीदवार होंगे या नहीं संशय बरकरार

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव को लेकर चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं। खबरें हैं कि अगस्त-सितंबर में देश की सबसे पुरानी पार्टी का नया प्रमुख चुना जा सकता है। हालांकि, अभी तक वायनाड सांसद और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उन्होंने साल 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस के अध्यक्ष का चुनाव 21 अगस्त से शुरू हो जाएगा। फिलहाल, उत्तर प्रदेश के रायबरेली से सांसद सोनिया गांधी अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। इधर, लंबे समय से गैर गांधी को भी कांग्रेस प्रमुख बनाए जाने को लेकर चर्चाएं जारी हैं, लेकिन सूत्रों ने बताया कि इसपर अभी तक कोई सहमति नहीं बन सकी है। मार्च में ही सोनिया गांधी ने विधानसभा चुनाव में हार पर चर्चा के लिए वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक बुलाई थी। तब उन्होंने भाषण के दौरान राहुल और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ इस्तीफा देने की पेशकश की थी। राहुल ने साल 2017 में कांग्रेस की कमान संभाली थी। हालांकि, करीब दो सालों के बाद ही उन्होंने पद छोड़ दिया था। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कांग्रेस नेताओं के एक बड़ा वर्ग गांधी को ही कमान संभालते हुए देखना चाहता है। उन्होंने कहा कि नेताओं को लगता है कि गुटबाजी से ग्रस्त पार्टी पर गांधी परिवार का एकजुट करने का प्रभाव है। एक अन्य रिपोर्ट में भी कहा जा रहा है कि कांग्रेस के कई नेताओं ने राहुल से अध्यक्ष पद लेने की अपील की है।

कोई नेता अकेले देश के समक्ष मौजूद सभी चुनौतियों से नहीं निपट सकता: मोहन भागवत

नागपुर। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि एक नेता अकेले देश के सामने मौजूद सभी चुनौतियों से नहीं निपट सकता है और कोई एक संगठन या पार्टी देश में बदलाव नहीं ला सकती। उन्होंने कहा कि यह विचार संघ की विचारधारा का अधार है। भागवत ने कहा कि देश को तब आजादी मिली जब आम जनता सड़कों पर उतरी। मराठी साहित्य संगठन विदर्भ साहित्य संघ के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए भागवत ने यह बात कही।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''एक चीज जो संघ की विचारधारा का आधार है, वह यह है कि कोई एक नेता इस देश के समक्ष मौजूद सभी चुनौतियों का सामना नहीं कर सकता है। वह ऐसा नहीं कर सकता। चाहे वह कितना भी बड़ा नेता हो।'' उन्होंने कहा, ''एक संगठन, एक पार्टी, एक नेता बदलाव नहीं ला सकता। वे इसे लाने में मदद कर सकते हैं। बदलाव तब आता है जब आम लोग उसके लिए खड़े होते हैं।

भागवत ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सन 1857 में शुरू हुआ लेकिन यह तभी सफल हुआ जब बड़े पैमाने में जागरूकता आई और ''आम लोग सड़कों पर उतरें।

नुपुर शर्मा को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत, जांच पूरी होने तक गिरफ्तारी पर रोक, सभी मामले दिल्ली पुलिस को होंगे ट्रांसफर

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

पैगंबर मोहम्मद पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली भाजपा से निलंबित नुपुर शर्मा को बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने नुपुर शर्मा के खिलाफ सभी प्राथमिकी को एक साथ जोड़ा और सभी मामलों को दिल्ली पुलिस को ट्रांसफर करने का आदेश दिया। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने जांच पूरी होने तक नुपुर शर्मा की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जेबी पारदीवाला की स्पेशल बेंच ने नुपुर शर्मा मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि इस आदेश के बाद दर्ज होने वाली किसी भी नई प्राथमिकी को लेकर भी उनका यह निर्देश लागू होगा। इसके साथ ही कोर्ट ने नुपुर शर्मा को उनकी टिप्पणी को लेकर दर्ज प्राथमिकियों को रद्द कराने को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट जाने की अनुमति दी है।

नुपुर शर्मा ने जान को खतरा बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका के माध्यम से उन्होंने कई राज्यों में उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों को दिल्ली पुलिस को ट्रांसफर करने की मांग की थी। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए सभी प्राथमिकियों को दिल्ली पुलिस को ट्रांसफर करने का आदेश दिया।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का लालू पर कटाक्ष, कहा- सांप आपके घर में घुस गया है

पटना/नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी के नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद की एक पुरानी टिप्पणी को लेकर बुधवार को उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ''सांप आपके घर में घुस गया है।''

दरअसल, नीतीश कुमार ने 2017 में जब महागठबंधन से अलग होकर फिर से भाजपा से हाथ मिलाया था तो लालू प्रसाद ने ट्वीट कर कहा था, ''नीतीश सांप है जैसे सांप केंचुल छोड़ता है वैसे ही नीतीश भी केंचुल छोड़ता है और हर 2 साल में सांप की तरह नया चमड़ा धारण कर लेता है। किसी को शक?'' उनके इसी ट्वीट का स्क्रीन शॉट साझा करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा, ''सांप आपके घर घुस गया है।''

भाजपा नेता ने कहा कि नीतीश खुद को प्रधानमंत्री पद के उपयुक्त मानते हैं और अपनी इसी महत्वाकांक्षा के चलते उन्होंने जनादेश को त्याग दिया और दूसरे पाले में चले गए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ''जो अपने दम पर मुख्यमंत्री नहीं बन सकते, वह प्रधानमंत्री बनने का सपना कैसे देख सकते हैं।'' उन्होंने जद (यू) के शीर्ष नेता को चुनौती दी कि वह बिहार में नया जनादेश हासिल करें।

सामना में शिंदे सरकार पर तंज, बागी विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाना लोकतंत्र का अपमान

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में शिंदे सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार के एक दिन बाद शिवसेना ने कहा हैं कि उन बागी विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाना लोकतंत्र और संविधान की हत्या के समान है, जिन्हें अयोग्य घोषित करने की याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना' में पूछा कि मंत्री पद की शपथ लेने के बाद बागियों ने गंगा नदी में डुबकी लगा ली है? लेकिन क्या वे 'धोखा देने का पाप धो' पाएंगे। शिवसेना ने आगे कहा कि मंत्रियों को पद की शपथ दिलाकर महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के चेहरे पर इसतरह के भाव थे, जैसे वह कोई 'ईश्वरीय कार्य' कर रहे हों। सामना ने मंत्रिमंडल का विस्तार करने से पहले दिल्ली के चक्कर लगाने के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की आलोचना भी की।

कांग्रेसियों के काले कपड़ों को लेकर बरसे पीएम मोदी, बोले- कितना ही काला जादू कर लें, जनता दोबारा विश्वास नहीं करेगी

नयी दिल्ली, (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को ग्रैंड ओल्ड पार्टी 'कांग्रेस' पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमने 5 अगस्त को देखा कि कैसे काले जादू को फैलाने का प्रयास किया गया। दरअसल, 5 अगस्त को कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ महंगाई, बेरोजगारी और जीएसटी को लेकर संसद से सड़क तक विरोध मार्च निकाला था। जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसे राम मंदिर आंदोलन से जोड़ा था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के पानीपत में स्थित दूसरी पीढ़ी के इथेनॉल संयंत्र को राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमने 5 अगस्त को देखा कि कैसे काले जादू को फैलाने का प्रयास किया गया। ये सोचते हैं कि काले कपड़े पहनकर, उनकी निराशा-हताशा का काल समाप्त हो जाएगा। लेकिन उन्हें पता नहीं कि वो कितनी ही झाड़-फूंक कर लें, कितना ही काला जादू कर लें, जनता का विश्वास अब उन पर दोबारा कभी नहीं बन पाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आप सभी को वर्ल्ड बायोफ्यूल दिवस की बहुत-बहुत शुभकानाएं। आज का कार्यक्रम पानीपत, हरियाणा समेत पूरे देश के किसानों के लिए बहुत अहम है। ये जो पानीपत में आधुनिक इथेनॉल का प्लांट लगा है, जैविक ईंधन प्लांट बना है, ये एक शुरुआत मात्र है। उन्होंने कहा कि कॉमनवेल्थ गेम्स में हरियाणा के बेटे-बेटियों ने बहुत शानदार प्रदर्शन करके देश का माथा ऊंचा किया है। देश को कई मेडल दिलाए हैं। खेल के मैदान में जो ऊर्जा हरियाणा के खिलाड़ी दिखाते हैं, वैसे ही अब हरियाणा के खेत भी ऊर्जा पैदा करके दिखाएंगे।

इसी बीच उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत काल में देश आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। हमारे गांव और किसान आत्मनिर्भरता के सबसे बड़े उदाहरण हैं। किसान अपनी जरूरत की चीजें काफी हद तक अपने गांव में ही जुटा लेते हैं। उन्होंने कहा कि पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने से बीते 7-8 साल में देश के करीब 50 हजार करोड़ रुपए बाहर विदेश जाने से बचे हैं। और करीब-करीब इतने ही हजार करोड़ रुपये इथेनॉल ब्लेडिंग की वजह से हमारे देश के किसानों के पास गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज देश बड़े संकल्प ले रहा है और उन्हें सिद्ध भी करके दिखा रहा है। कुछ वर्ष पहले देश ने तक किया था कि पेट्रोल में 10 फीसदी तक इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य पूरा करेंगे। हमारे किसान भाई-बहनों की मदद से ये लक्ष्य समय से पहले ही हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा कि 2014 तक देश में सिर्फ 14 करोड़ के आसपास एलपीजी कनेक्शन थे। आज उज्ज्वला योजना से ही 9 करोड़ से ज्यादा एलपीजी कनेक्शन गरीब बहनों को दिए जा चुके हैं। हम देश में करीब-करीब शत-प्रतिशत एलपीजी कवरेज तक पहुंच चुके हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हर्ष संघवी-पाटिल सहित 20,000 से अधिक लोगों ने तिरंगायात्रा में भाग लिया, सूरत कपड़ा बाजार के माध्यम से 4 किलोमीटर लंबी यात्रा।

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर देश भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत एक भव्य तीर्थयात्रा की भी योजना बनाई जा रही है। सूरत टेक्सटाइल मार्केट के व्यापारियों द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल, गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी और अन्य भाजपा नेता भी मौजूद थे। 4 किमी लंबी यात्रा में 20 हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए. तिरंगे यात्रा में वस्तुत: शामिल हुए पीएम मोदी ने कहा कि सुरतिलाला सूरत की प्रगति के मूल में हैं।

सूरत ने तिरगायात्रा में लगाए चार चांद- मोदी वडाप्रधान मोदी ने सूरत के कपड़ा बाजार की तिरंगायात्रा को लेकर कहा कि सूरत ने तिरगायात्रा में चार चांद लगाए हैं. आज पूरे देश का फोकस सूरत पर है। सूरत की तिरंगे यात्रा में लधुभारत के दर्शन हो रहे हैं. देश का एक भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जिसमें सूरत का निवास न हो। आज पूरा देश सूरत की तीर्थ यात्रा में शामिल हो गया है।

भारत की एकता, अखंडता और विविधता का प्रतीक है तिरंगा, सूरत के रिंग रोड पर कपड़ा व्यापारियों द्वारा आयोजित भव्य तिरंगे के जुलूस में वस्तुत: शामिल हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत का तिरंगा सिर्फ तीन रंग नहीं है, बल्कि यह देश का प्रतिबिंब है गौरवशाली अतीत, वर्तमान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और भविष्य के लिए हमारे सपने।। हमारा तिरंगा भारत की एकता, भारत की अखंडता और भारत की विविधता का प्रतीक है।

वर्चुअल मीडिया के माध्यम से मोजिला सुरतिलाओ की देशभक्ति की प्रशंसा को संबोधित करते हुए , प्रधान मंत्री ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज देश के कपड़ा उद्योग, खादी और हमारी आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। सूरत ने हमेशा कपड़ा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की नींव रखी है। सूरत के लोगों और विशेष रूप से कपड़ा उद्योग की सराहना करते हुए, प्रधान मंत्री ने कहा कि एक बार सूरत एक संकल्प निर्धारित कर लेता है, तो उसे किसी भी कीमत पर इसे पूरा करने का मूड और ताकत होती है। मोजिला सुरतिलाओ की देशभक्ति काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि सूरत के लोगों ने आजादी की भावना को पुनर्जीवित किया है।

तिरंगे राष्ट्रवाद की ताकत और भक्तिको समझाते हुए प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी को याद किया और कहा कि गुजरात ने बापू के रूप में स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया। आजादी के बाद गुजरात ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की नींव रखने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे नायकों को जन्म दिया। स्वतंत्रता सेनानियों ने तिरगा में देश के भविष्य और सपनों को देखा। स्वतंत्रता के अमृत में भी राष्ट्रीय ध्वज राष्ट्र की एकता और चेतना का प्रतिनिधित्व करता है। तिरंगे राष्ट्रवाद की ताकत और भक्ति को व्यक्तकरते हैं।

गृह राज्य मंत्री ने कहा- कांग्रेस नेता ने गुजरात विरोधी बयान देकर अपनी असलियत बताई

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कच्छ,गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने दिल्ली कांग्रेस की महिला नताशा शर्मा के गुजरात को लेकर दिए गए बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं जब कांग्रेस ने देश और गुजरात का अपमान किया है। यही कांग्रेस का चरित्र है, जो फिर एक बार गुजरात की जनता के सामने आ गया है। नताशा शर्मा के बयान ने कांग्रेस की असलियत सामने ला दी है। कांग्रेस नेताओं को गुजरात के खिलाडियों से माफी मांगनी चाहिए।

बता दें कि हाल में संपन्न हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत गोल्ड समेत 61 मेडल जीते हैं। जिसमें गुजरात की दो खिलाडियों ने 2 गोल्ड मेडल हासिल किए हैं। दिल्ली कांग्रेस

की महिला नेता नताशा शर्मा ने बीते दिन मेडल को लेकर एक ट्वीट किया था, जिसमें उन्होंने लिखा था 'कोई गुजरात से भी गोल्ड मेडल लाया है खेलों में या फिर बैंक लूटकर भागने में ही गोल्ड मेडलिस्ट है।' हांलाकि विवाद बढ़ने पर नताशा शर्मा ने अपना ट्वीट डिलीट कर दिया और आज माफी मांगते हुए दूसरा ट्वीट किया। जिसमें नताशा शर्मा ने कहा 'गुजरात को लेकर मेरे द्वारा किए गए ट्वीट पर मुझे अत्यंत खेद है। महात्मा गांधी और सरदार पटेल की धरती, अहिंसा और प्रेम की धरती है गुजरात और गुजरात ने हमारे देश को बड़े बड़े गौरव दिए हैं।' हांलाकि तब तक काफी देर चुकी है और नताशा शर्मा के बयान को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर हमलावर हो गई। भाजपा के कई नेताओं ने नताशा शर्मा के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई।

गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कांग्रेस की महिला के ट्वीट के जवाब में लिखा 'यह कोई पहली बार नहीं जब कांग्रेस ने देश या गुजरात की निंदा की हो।

बंटवारे की गंदी राजनीति आपके खून में है और अखंड राष्ट्र की कल्पना हमारे रग रग में है। आखिर इतनी नफरत गुजरात के लिए कांग्रेस लाती कहां से है।

यही इनका चरित्र है जो आज एक बार फिर गुजरात की जनता के सामने आया है।'

हर्ष संघवी अगले ट्वीट में लिखा 'खिलाडियों का अपमान बंद करो 61 मेडल्स के साथ पूरे विश्व में टॉप 5 में भारत का परचम लहराने वाले खिलाडियों की मेहनत और जज्बे को आपने कलंकित किया है।

अब रही बात मेरे गुजरात की तो आपको बता दूं कि गुजरात के खिलाड़ियों ने कॉमनवेल्थ गेम्स में परचम लहराया है और 5 मेडल्स जीते हैं।' हर्ष संघवी ने कहा कि कांग्रेस को गुजरात के प्रतिभाशाली खिलाडियों से माफी मांगनी चाहिए।

कोर्ट ने 'पत्नी के उपहास को भी हिंसा' माना, रु 7000 गुजारा-भत्ता देने का पति को आदेश

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,पति-पत्नी के विवाद में सूरत की कोर्ट ने एक चौंकाने वाला फैसला सुनाया है। कोर्ट ने 'पत्नी के उपहास को जातीय हिंसा' माना और पत्नी के साथ ऐसा व्यवहार करने वाले पति को रु 7000 रूपए गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया है। जानकारी के मुताबिक सूरत निवासी मनीषा नामक युवती के चार महीने पहले ही महेश पटेल के साथ शादी हुई थी।

शादी के कुछ दिन बाद महेश पटेल का परिवार दहेज को लेकर मनीषा को ताने मारने लगा। महेश और उसके परिवार के लोग छोटी-मोटी बातों को लेकर मनीषा परेशान करने के साथ ही उसकी हंसी उडाते थे। महेश पटेल समेत ससुराल के लोगों से तंग आकर मनीषा ने सूरत की फैमिली कोर्ट में गुजारा भत्ता के लिए याचिका दाखिल कर दी। मनीषा की याचिका को कोर्ट ने गंभीरता से संज्ञान लिया और अपने फैसले में कहा कि पत्नी की हंसी उड़ाना भी एक प्रकार की हिंसा है। महिला की गरिमा का अपमान, मान भंग या उसके सम्मान को चोट पहुंचाना भी जातीय हिंसा ही कही जाएगी। सूरत कोर्ट ने पत्नी का उपहास करने वाले पति को रु 7000 गुजरा भत्ता देने का आदेश दिया है।